www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 77 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
08 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:15
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 29°00

» पेज 07

विशेष समाचार | यह संगठित हिन्दू समाज ... » पेज 04 | राजनीतिक आकाओं को ... » पेज 06 | दृश्यम तीन का बाल भी बांका ...

भगवान को तो बख्श दे भाजपाः सपा

समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने भी एक्स पर पोस्ट कर सवाल खड़े किए। सोशल मीडिया पर लिखा, अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावे से करोड़ों रुपए की रकम का हेर फेर, गायब हो जाना, चोरी हो जाना न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि जिम्मेदारों से बड़ा सवालिया निशान है। इस मामले में ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ लोगों को न सिर्फ स्पष्टीकरण देना चाहिए, बल्कि राम मंदिर निर्माण कार्य हेतु एवं भक्तों की आस्था के परिणाम से दान चढ़ावे में कितनी रकम अब तक प्राप्त हुई, कहां कहां खर्च हुई, इन सब का हिसाब किताब, लेखा-जोखा, ब्योरा जनता के सामने रखना चाहिए। मंदिर की रकम में हेर फेर, घपला घोटाला, चोरी अस्वीकार्य है तथा भक्तों की आस्था पर बड़ा प्रहार है। भाजपा भगवान को तो बख्श दे।'

अखिलेश यादव ने एक पोस्ट में कहा कि राम के उपासकों के लिए ये संवेदनशील खबर है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। अदालत इसे से स्वतः संज्ञान ले।

अखिलेश बोले सरकार की चुप्पी संदिग्ध, पूर्व मंत्री बोले- चंपतराय कसम खाएं

'राम मंदिर से करोड़ों का चढ़ावा गायब'

वहीं, राम मंदिर में चढ़ावे की रकम को लेकर उठे विवाद पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने कहा है, 'हमको राम जी की परंपरा पर विश्वास है। जो भी अगर उसमें किसी प्रकार का कुछ होगा तो राम जी स्वयं उसका निर्णय देंगे। उसको राम जी दंड दे देंगे।'

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या/लखनऊ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का दावा है कि अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा गायब हो गया है। उन्होंने रविवार को X पोस्ट कर लिखा, पूरी दुनिया में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील खबर है। राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपए की रकम गायब मिली है। अखिलेश ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकार को भी घेरा है। लिखा, करोड़ों रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। सपा अध्यक्ष ने कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनानती समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

7 करोड़ की चोरी का अखिलेश यादव ने किया दावा

रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए शर्मनाक

अखिलेश ने X पोस्ट कर लिखा, पूरी दुनिया में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील खबर है। राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपए की रकम गायब मिली है।

अखिलेश ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकार को भी घेरा है। लिखा, करोड़ों रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है।

सपा अध्यक्ष ने कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनानती समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

राम मंदिर में रोज एक करोड़ रुपए से ज्यादा का दान

राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी, 2024 को हुई थी। बीते दो सालों में राम मंदिर की तस्वीर तेजी से बदली है। मंदिर की आय का मुख्य स्रोत दान और बैंक डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज है।

ग्लोबल वेल्थ इंडेक्स-2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर की अचल संपत्तियों में लगभग 70 एकड़ का मुख्य परिसर और उसके आसपास की अधिग्रहित भूमि है। साथ ही निर्माणाधीन मंदिर की भव्य संरचना (जिसकी निर्माण लागत ही 1,800 करोड़ से अधिक है), इसकी कुल संपत्ति को 6,000 करोड़ से 8,000 करोड़ के पार ले जाती है।

मंदिर पर 2,475 करोड़ रुपए खर्च

13 दिसंबर, 2025 को मंदिर ट्रस्ट की बैठक में जानकारी सामने आई थी कि अब तक ट्रस्ट को कुल 4,575 करोड़ रुपए मिले हैं। पिछले 5 साल 9 महीने में मंदिर निर्माण, श्रीराम जन्मभूमि परिसर के विस्तार, जमीन और भवन की खरीद सहित अन्य कई कामों पर 2,475 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। तब ट्रस्ट के पास लगभग 2100 करोड़ रुपए बचे थे।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

वर्षा ऋतु में अलग-अलग **कीट-पतंगों की आवाज, गर्मियों की रातों में जुगनुओं की चमक, भोर में गौरैयों की चहचहाहट और पेड़ों पर मैनाओं का कलरव, जो पहले दैनिक जीवन का हिस्सा थे, आज शहरों में लगभग दुर्लभ हो चुके हैं।** इनकी लुप्तप्रायः स्थिति चिंताजनक है और जीवन के लिए खतरे का सूचक।

आधुनिकता आवश्यक है, परंतु प्रकृति से विमुख होकर नहीं। जीव-जंतु प्रकृति के सौष्ठव का प्रतीक मात्र नहीं, अपितु स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार हैं। प्रकृति का संतुलन भी छोटे-छोटे जीव-जंतुओं से बना रहता है। फसल उत्पादन से लेकर खाद्य श्रृंखला तक, प्रकृति के वृहत्तर चक्र में प्रत्येक जीव की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सनातन संस्कृति में प्रकृति के प्रत्येक जीव को सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। त्रिलोक में अजेय माने जाने वाले दशानन का संहार करने वाली प्रभु श्रीराम की सेना में वानर से लेकर ऋक्ष, जटायु और नन्ही गिलहरी तक का योगदान था। यह मानव, प्रकृति तथा विभिन्न जीव-जंतुओं के परस्पर आश्रित रहने का परिचायक है।

9 वर्ष पूर्व जब हमने कार्यभार संभाला था, तब पर्यावरण संरक्षण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया था। **वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के सतत प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में बाघों, तेंदुओं और राज्य पक्षी सारस की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आर्द्रभूमियों की रामसर सूची में प्रदेश के 13 स्थलों ने जगह बनाई है।** एक समय जिन जीवों और पक्षियों को उत्तर प्रदेश से विलुप्त माना जा रहा था, वे अब फिर से दिखाई देने लगे हैं। तराई के घास के मैदानों में अत्यंत दुर्लभ **जर्डन्स बैबलर** पक्षी वर्षों बाद दिखाई दिया। दुधवा टाइगर रिजर्व में **पेंटेड कीलबैक** नामक दुर्लभ सर्प की मौजूदगी 117 वर्ष बाद दर्ज की गई।

जैव विविधता के संरक्षण का प्रयास तभी सफल होगा, जब जन भागीदारी बढ़ेगी। **मैं सभी से, विशेषकर युवाओं से आग्रह करता हूं कि जब भी प्रकृति के बीच जाने का अवसर मिले, तो केवल पर्यटक बनकर नहीं, बल्कि जिज्ञासु विद्यार्थी की भांति उस स्थल को परखें।** प्रकृति का जीवंत संसार आपको इसके अनछुए रूपों से भी परिचित करा सकता है। **अपने अनुभवों को व्लॉग और आलेखों के माध्यम से साझा करें। ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चे इन्हें अपने स्कूली प्रोजेक्ट का विषय बनाएं।** प्रकृति के प्रति जागरूकता और अपनापन ही हमारी जैव विविधता के सबसे बड़े संरक्षक हैं।

आपका
योगी आदित्यनाथ

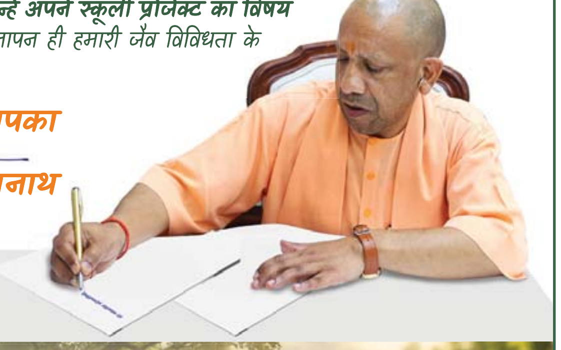

जैव विविधता हमारी सुरक्षा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

भारत की राजनीति में सिर्फ हिंदू मुस्लिम का एजेंडा : अभिजीत

कॉकरोच जनता पार्टी धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक नहीं रुकेगी

चुनौती

तमसा संकेत, एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- पिछले 10-12 साल में देश की राजनीति हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर केंद्रित रही है। इससे रोजगार नहीं मिलेगा। सरकार की प्राथमिकताओं में बदलाव होना चाहिए। CJP फाउंडर रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके में अपने घर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने शाम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। दीपके ने कहा- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए एजेंडा तैयार किया जाएगा। बेरोजगारी भी देश का बड़ा मुद्दा है।

अभिजीत के पहुंचने पर घरवालों ने फूल-माला पहनाई, मां ने आरती उतारी और हाथ पकड़कर ले गईं।

आंदोलन यहीं नहीं रुकेगा। इससे पहले अभिजीत ने X पर पोस्ट कर लिखा था- दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन काफी सफल रहा। 7,000 लोगों ने हिस्सा लिया। सरकार ने ट्रेलर देखा कि एकजुट होने पर 'कॉकरोच' क्या कर सकते हैं। बात अभी खत्म नहीं हुई है। अब यह आंदोलन पूरे देश में किया जाएगा। जंतर-मंतर की भीड़ और तस्वीरें खुद बताती हैं कि वहां कौन लोग थे। कितने लोगों को पाकिस्तानी कहा जाएगा? क्या प्रदर्शन कर रहे छात्रों, सवाल पूछने वाले मीडिया और विपक्ष को भी पाकिस्तानी कहा जाएगा?

>> (शेष 06 पर)

24 घंटे में 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स बढ़े

कॉकरोच जनता पार्टी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या भी बढ़ गई है। प्रदर्शन से पहले उनके फॉलोअर्स की संख्या 2.21 करोड़ थी। 7 जून को दोपहर 3 बजे तक यह संख्या बढ़कर 2.27 करोड़ हो गई। X पर उनके 2.70 लाख फॉलोअर्स हैं।

फास्ट न्यूज

इंजीनियर के लॉकरों में 2 करोड़ कैश मिला

भुवनेश्वर । ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी में पदस्थ हैं।

आरोप | घटना

टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर हमला

कोलकाता । कोलकाता के कमरहाटी में शनिवार रात TMC विधायक मदन मित्रा की कार पर लोगों ने हमला कर दिया। अरियादाहा इलाके में यह घटना उस समय हुई, जब विधायक दौरा करने गए थे। स्थानीय रहवासियों ने चोर-चोर के नारे लगाते हुए विधायक की कार पर अंडे फेंके। ये लोग कटमनी के रूप में दिए गए पैसे वापस करने की मांग कर रहे थे। घटना का एक वीडियो वायरल है। इधर, हालांकि टीएमसी नेता ने बाद में दावा किया कि हमले के वक्त वे गाड़ी में नहीं थे। मदन मित्रा ने आरोप लगाया कि उनके ड्राइवर पर हमला किया गया।

बांग्लादेश लौटने के लिए खुद सामने आ रहे अवैध प्रवासी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की हकीमपुर चेकपोस्ट पर इन दिनों अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की भीड़ जुट रही है। हालांकि, सीमा सुरक्षा बल उन्हें सीधे सीमा पार भेजने के बजाय बायोमीट्रिक और अन्य पहचान पत्र लेकर बंगाल में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेज रही है।

12 राज्यों में पहुंचा मानसून

केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश, चेन्नई में पारा 40 डिग्री सिल्सियस

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। मानसून रविवार को चार और राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में पहुंच गया। महाराष्ट्र में मानसून केवल दक्षिण कोंकण तक बढ़ा। इसके चलते 9 जून तक सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने का अनुमान है।

IMD के मुताबिक मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 C का आंकड़ा पार कर गया। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

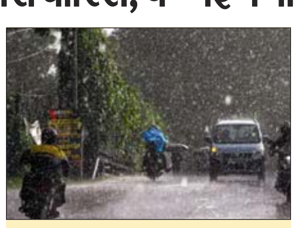

प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ा

यूरोपीय मौसम एजेंसी के अनुसार, प्रशांत महासागर में अल नीनो बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों में समुद्र का तापमान उस स्तर से ऊपर पहुंच गया है, जिसे अल नीनो की शुरुआत माना जाता है।

- **मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार अल नीनो 2015-16 और 1997-98 के रिकॉर्ड से भी ज्यादा शक्तिशाली हो सकता है।**
- **पिछली दो बार नीनो 3.4 इंडेक्स में पारा औसत से 2.3 डिग्री सेल्सियस ऊपर चला गया था।**

दावा- नीट पेपर लीक के बाद एनटीए सिस्टम बदलेगा

नई दिल्ली। NEET-UG 2026 पेपर लीक और CBSE की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, NTA ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं।

नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा।

चर्चा : 23 दल होंगे शामिल ■ टीएमसी का समर्थन ■ डीएमके ने बनाई दूरी

इंडी गठबंधन बैठक आज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन INDI (इंडियन नेशनल डेवलप-मेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार 8 जून को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित होगी। यह बैठक हालिया विधानसभा चुनावों के बाद गठबंधन की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, ऐसे समय में जब कई सहयोगी दलों के बीच मतभेद भी सामने आए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच X पर लिखा, 'भारत की तरह INDIA जनबंधन भी अपनी विविधता के साथ एकजुट है।' हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि कई राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

"बैठक से पहले गठबंधन के भीतर मतभेद भी खुलकर सामने आए हैं। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बैठक में शामिल होने की संभावना कम है। डीएमके ने तमिलनाडु में कांग्रेस पर 'विश्वासघात' का आरोप लगाया है। वहीं आम आदमी पार्टी के भी बैठक में शामिल न होने की खबर है।

ममता बनर्जी दिल्ली पहुंचीं, टीएमसी ने जताया समर्थन

तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने बैठक को लेकर मजबूत समर्थन जताया है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली पहुंचीं। TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सभी दल साझा उद्देश्य और स्पष्ट इरादे के साथ बैठक में शामिल हो रहे हैं। बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं।

डीएमके और आप बैठक से रह सकते हैं दूर

केरल चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा CPI(M) पर भाजपा से सांठगांठ के आरोप लगाए जाने के बाद दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। CPI(M) महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को पत्र लिखकर इन आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा है। इसके बावजूद CPI(M) ने बैठक में शामिल होने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास प्रतिनिधित्व करेंगे और माना जा रहा है कि वह यह मुद्दा बैठक में उठा सकते हैं।

बंगाल में टीएमसी नेताओं पर फूटा लोगों का गुस्सा

दूसरा पुलिस से बचने साड़ियों में छिपा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में BJP सरकार बनने के बाद TMC नेताओं के खिलाफ लोगों का गुस्सा सामने आ रहा है। कोलकाता में रविवार को गिरफ्तार TMC पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके।

वहीं, सोशल मीडिया पर दो और वीडियो वायरल हैं। BJP ने X पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें पुलिस से बचने के लिए एक नेता साड़ियों के नीचे छिपा मिला। दूसरा वीडियो हावड़ा का है।

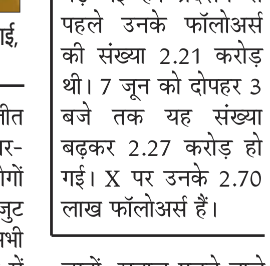

रिश्वत लेने के आरोप में नेता का सिर मुंडवाया

इसमें कट मनी वसूल करने वाले एक नेता का लोगों ने पहले सिर मुंडवाया। फिर जूते-चप्पल की माला पहनाकर उसकी परेड निकाली। ये वीडियो BJP के स्थानीय नेताओं ने भी X पर शेयर किए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

महाराजगंज में जोरदार बारिश, पारा 42.5 डिग्री सेल्सियस, 24 घंटे में 5 डिग्री सेल्सियस उछलेगा तापमान

यूपी में मानसून लेट अब 24 जून तक पहुंचेगा

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। रविवार तड़के महाराजगंज में मूसलाधार बारिश हुई। तेज हवा के साथ करीब डेढ़ घंटे तक बारिश होती रही। बादल गरजने के साथ बिजली भी कड़की। खेतों में लबालब पानी भर गया। इसके अलावा, बाकी सभी जिलों में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हवा की रफ्तार कम होने से उमस महसूस हो रही है। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो गया है। ऐसे में बारिश के कोई आसार नहीं हैं। हालांकि, एक-दो जगह स्थानीय मौसमी सिस्टम की वजह से बारिश हो सकती है। ऐसे में 24 घंटे में पारा 5°C उछलकर 47°C तक पहुंच सकता है। 9 जून से 3 दिन हीटवेव (लू) चलेगी। 11 जून के बाद प्री-मानसून बारिश का सिलसिला शुरू होगा।

आईएमडी के मुताबिक, इस बार यूपी में मानसून 4 से 6 दिन लेट पहुंच सकता है। इसके 24 जून तक प्रदेश में प्रवेश करने की संभावना है। आने के बाद 10 दिनों में मानसून पूरे यूपी पर छा जाएगा। मानसून आमतौर पर 18-20 जून के बीच यूपी पहुंचता है।

शनिवार को झांसी 42.5°C के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। बांदा में 42.2°C, जालौन में 41.4°C, फतेहपुर में 41.4°C और वाराणसी में 41.2°C रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो आजमगढ़ में रात का पारा सबसे कम 20°C दर्ज किया गया। देवरिया में पिछले पांच दिनों से भीषण गर्मी और उमस ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण दोपहर के समय सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग नदी, नहर और तालाबों का सहारा ले रहे हैं। रुद्रपुर तहसील क्षेत्र के नाके गांव के पास स्थित पीपा पुल के समीप दर्जनों युवक और बच्चे नदी में स्नान करते नजर आए। गर्मी से राहत पाने के लिए नदी किनारे लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई।

गोरखपुर में तेज धूप और उमस ने लोगों की मुश्किलें बढ़ाईं

गोरखपुर में रविवार सुबह से ही तेज धूप और उमस ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आसमान साफ रहने से धूप का असर ज्यादा महसूस हो रहा है। हवा में नमी 55 फीसदी से अधिक होने के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर तक तापमान बढ़ने के साथ उमस और बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को शहर का अधिकतम तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। दिन में 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, हवा चलने के बावजूद लोगों को गर्मी से ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद कम है।

महाराजगंज में बारिश से किसानों को फायदा

महराजगंज के पनियरा क्षेत्र में रविवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह करीब 5:30 बजे तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जिससे भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। महुअवा शुक्ल निवासी किसान गणेश प्रजापति ने बताया- जिन किसानों की धान की नर्सरी पहले से तैयार हो चुकी है, उनके लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। अब धान की रोपाई में सिंचाई के लिए कम पानी लगाना पड़ेगा, जिससे किसानों की लागत भी घटेगी।

> **लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-यूपी में आंधी-तूफान और बारिश के सारे सिस्टम खत्म हो गए हैं। फिलहाल, मौसम के शुष्क (साफ) रहने की संभावना है। प्री-मानसून बारिश तक भीषण गर्मी पड़ेगी। लू के हालात बनेंगे। मानसून 24 जून तक गोरखपुर के रास्ते प्रदेश में एंट्री कर सकता है। आसार ऐसे हैं कि 20 से 25 दिन में मानसून कमजोर भी पड़ जाएगा।**

फास्ट न्यूज

राज्य कर विभाग के संवाद में व्यापारियों ने दिए सुझाव

बाराबंकी। बाराबंकी में राज्य कर विभाग खंड-4 द्वारा एक व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान व्यापारियों को जीएसटी-2.0 के नए प्रावधानों, ई-इन्वॉइसिंग, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और कर अनुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को नए कर नियमों के प्रति जागरूक करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था।

झूला-झूलते समय गले में फंदा कसने से किशोर की मौत

रायबरेली । रायबरेली के महाराजगंज थाना क्षेत्र में धान की नर्सरी की रखवाली कर रहे 12 वर्षीय किशोर की झूला झूलते समय दर्दनाक मौत हो गई। जंगली बबूल के पेड़ पर डाले गए झूले की रस्सी गले में फंसने से उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। महाराजगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर खेखरुआ गांव निवासी राजकुमार शुक्ला का 12 वर्षीय बेटा आयुष खेत के पास मौजूद एक जंगली बबूल के पेड़ पर रस्सी डालकर झूला झूल रहा था। बताया जा रहा है कि वह धान की नर्सरी की रखवाली करने के लिए खेत पर गया था।

गाजियाबाद रेस्टोरेंट के डोसे में निकले कीड़े

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक रेस्टोरेंट के डोसे में कीड़ा मिलने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता अनुराग कटियार ने आरोप लगाया है कि 4 जून को खरीदे गए डोसे में उन्हें कीड़ा मिला। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अनुराग कटियार के मुताबिक, उन्होंने खोड़ा स्थित श्री जी श्याम डेयरी रेस्टोरेंट से डोसा खरीदा था।

वाराणसी में लोहा व्यापारी ने दुकान में किया सुसाइड

पिता दुकान पहुंचे तो फंदे पर लटकता मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में लोहे की चादर की दुकान चलाने वाले कारोबारी विकास आनंद (34) ने दुकान में फंदा लगाकर जान दे दी। युवक छोटी प्यारी थाना चौक का रहने वाला है। घटना की जानकारी तब हुई जब दोपहर 12 बजे युवक के पिता दुकान पहुंचे। विकास दुकान के भीतरी हिस्से में फंदे से लटक रहा था।

फिलहाल विकास पिता जर्नादन स्वरूप आनंद ने घटना की सूचना पुलिस और फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पुलिस पहुंची और जरूरी साक्ष्य लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लोहटिया इलाके की है।

पिता जर्नादन स्वरूप आनंद ने बताया- रोज की तरह में इकलौता बेटा विकास आनंद सुबह 9 बजे घर से दुकान खोलने के लिए निकला था। दोपहर 12 बजे जब मैं दुकान पर पहुंचा तो वह दुकान के मेन काउंटर पर नहीं दिखा। जिसके बाद अंदर गए तो उसका शव टीन खड़ा करने के लिए लगे गाटर से लटक रहा था। इसपर उन्होंने शोर मचाया। जिसपर आस पास के लोग इकट्ठा हुए और फंदे से लटक रहे शव को नीचे उतारा। और पुलिस को सूचना दी। मौके पर थाना प्रभारी कोतवाली दयाशंकर सिंह और कबीरचौरा चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और शव केआस-पास की जांच की।

लड़की से प्रेमी ने किया रेप, दोस्तों ने वीडियो बनाया

गोरखपुर। गोरखपुर में 14 साल की लड़की से उसके प्रेमी ने रेप किया। उसने घर के पास रहने वाली लड़की को रात में मिलने के लिए खेत में बुलाया। फिर इधर-उधर की बातें करने के बाद उसके साथ जबरन रेप किया। इस दौरान उसके 2 दोस्त भी मौजूद थे, जो वीडियो बनाते रहे।

5 जून को हुई इस घटना के बाद लड़की 2 दिन तक डर की वजह से चुप रही। लेकिन, इसी बीच प्रेमी ने एक अश्लील वीडियो लड़की को भेजकर उसको ब्लैकमेल करने लगा। इसके बाद लड़की ने अपने घरवालों को घटना के बारे में बताया। रविवार को सहजनवा थाने में मां ने शिकायत की। पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड आशीष निषाद (20), उसके दोनों दोस्तों दीपक (22) और आर्यन (23) के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 3 टीमें बनाई गई हैं।

प्रयागराज में दिनदहाड़े गोलियों से भूना था, 16 दिन फरार

हिस्ट्रीशीटर की हत्या करने वाले देवर-भाभी 25-25 हजार के इनामी

आकाश इस मामले में जेल भेजा गया था और 18 अप्रैल को उसे जमानत मिल गई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में हिस्ट्रीशीटर सक्षम पंडा (35) की गोली मारकर हत्या के मामले में फरार देवर-भाभी अब इनामी हो गए हैं। पुलिस ने उन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया है। दोनों 16 दिन से फरार हैं। इमनें मुख्य आरोपी विमल पंडा की पत्नी शुभि व भाई कमल शर्मा शामिल हैं। दोनों नामजद आरोपी हैं और एक अन्य लल्ले धूरिया समेत घटना के बाद से ही गायब हैं।

मुट्ठीगंज के मालवीय नगर में 21 मई की सुबह सक्षम शर्मा को गोलियों से भून दिया गया था। उसे स्कूटीसवार दो बदमाशों ने घर के दरवाजे और फिर गली में ताबड़तोड़ पांच गोलियां मारी थीं। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में मुख्य आरोपी विमल पंडा और भेले पंजाबी उर्फ आकाश अरोड़ा कुछ घंटों बाद ही गिरफ्तार कर लिए गए थे। जबकि तीन आरोपी अभी फरार हैं।

सक्षम पंडा, मृतक

जांच पड़ताल में यह बात भी सामने आई थी कि जेल भेजे गए दो हत्यारोपियों में से एक करीब महीने भर पहले ही जेल से छूटकर आया था। वहीं दूसरा पुलिस रिकॉर्ड में फरार चल रहा था। दोनों सक्षम पर हुई फायरिंग के मामले के आरोपी थे। दरअसल 13 मार्च को सक्षम पर मुट्ठीगंज में आधी रात फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी विमल पंडा, उसका भाई कमल, लकी पंडा और संदीप कनौजिया का नाम आया था। बाद में विवेचना में नाम प्रकाश में आने पर आकाश अरोड़ा उर्फ भोला पंजाबी को भी आरोपी बनाया गया था।

सवालों के घेरे में स्थानीय पुलिस

मुट्ठीगंज में हुई इस वारदात को लेकर स्थानीय पुलिस सवालों के घेरे में है। सवाल यह है कि अतरसुइया पुलिस के रिकॉर्ड में 10 मुकदमों वाले हिस्ट्रीशीटर विमल पर आखिर कैसे निगरानी रखी जा रही थी। हत्या के प्रयास में वांछित होने के बाद भी आखिर उसने कैसे हत्या की वारदात को अंजाम देने का दुस्साहस किया। थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही आखिर क्या करते रहे। फिलहाल तत्कालीन थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह का तबादला किया जा चुका है। उन्हें सरायममरेज थानाध्यक्ष बनाया गया है।

बुर्के में आई लड़की के साथ रुका था, कानपुर में घरवाले बोले- हत्या की गई

कांग्रेस नेता का इंजीनियर बेटा होटल में लटका मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता के इकलौते इंजीनियर बेटे का शव होटल में फंदे से लटका मिला। स्टाफ की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान कमरे से सिगरेट के फिल्टर और शराब की बोतल मिली। साथ ही सामने आया कि बुर्का पहने किसी लड़की के साथ होटल में आया था, लेकिन बाद में वह चली गई थी।

पुलिस अब लड़की के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर से उसकी तलाश कर रही है। उससे पूछताछ करके पूरे मामले की सच्चाई का पता लगा सकेगा। वहीं, कांग्रेस नेता के घरवालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। घटना साकेत नगर स्थित अमन पैराडाइज होटल की है। होटल अमन पैराडाइज के मैनेजर सौरभ कुमार ने बताया- गयाश शुक्रवार को एक लड़की के साथ होटल पहुंचे थे। रात करीब 7.30 बजे लड़की को छोड़ने के लिए होटल से निकले थे। कुछ देर बाद वापस आकर अपने कमरे में चले गए। उन्होंने ऑनलाइन डिनर भी मंगाया था। शनिवार सुबह 11.30 बजे उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में मास्टर-की से कमरा खुलवाया, तो गयाश का शव चादर के सहारे पंखे से लटका मिला।

गयाश खान, मृतक

बुर्के में पहुंची युवती की तलाश में जुटी पुलिस

कर्नलगंज थाना क्षेत्र के तलाक महल इलाके में रहने वाले हाजी मोहम्मद फजल खान कांग्रेस नेता हैं। वह करीब 20 साल से पार्टी से जुड़े हैं, लेकिन कभी पद नहीं लिया। सीसामऊ विधानसभा सीट से राजनीति करते हैं। उनकी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल के नजदीकी रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार संपर्क में रहे। उनके परिवार में पत्नी शाहदाब, शादीशुदा बेटी अंबर और बेटा गयाश खान (32) थे। गयाश की अभी शादी नहीं हुई। वह पुणे से बीटेक करने के बाद दिल्ली की एक प्राइवेट कंपनी में लाखों के पैकेज पर नौकरी कर रहे थे। लेकिन, पिछले 6 महीने से वह वर्क फ्रॉम होम के चलते घर पर ही थे। गयाश दोस्तों के साथ शुक्रवार को घूमने निकले थे। उन्होंने घरवालों से कहा कि रात में घर नहीं आएंगे। इसके बाद घरवाले भी निश्चिंत हो गए थे। लेकिन, शनिवार को बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घरवाले होटल मैनेजमेंट की सूचना पर पहुंचे और शव की पहचान की।

गोरखपुर में सिर का बाल खाती थी बच्ची

गोरखपुर। गोरखपुर में एक 7 साल की बच्ची सिर का बाल खाती है। यह मामला सिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सामने आया। दर्द से तड़पती बच्ची हॉस्पिटल में भर्ती कराई गई। जांच में पता चला कि उसके पेट में बालों के ठोस गुच्छे बन चुके हैं। जिसने पेट और आंत में भोजन के सामान्य मार्ग को रोक दिया है। डॉक्टरों ने इमरजेंसी में बच्ची के पेट से सर्जरी कर बालों का विशाल गुच्छा बाहर निकाला। जिसे देखकर घरवाले भी चौंक गए। ढाई घंटे तक सर्जरी चली। वरिष्ठ बाल शल्य चिकित्सक डॉ. रविकेश द्विवेदी और उनकी टीम ने सफल सर्जरी कर बच्ची की जान बचाई। डॉक्टर ने बताया कि अक्सर बच्चे अनजाने में कई ऐसी आदतें विकसित कर लेते हैं, जिन्हें परिवार वाले सामान्य समझकर नजर-अंदाज कर देते हैं। लेकिन यही आदत कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है। इसलिए बच्चों पर खास ध्यान देना चाहिए। शहर में रहने वाली 7 साल की बच्ची को कई महीनों से लगातार पेट दर्द, उल्टी, भूख न लगना, कमजोरी और वजन कम होने जैसी समस्याएं थीं।

प्रधान पर पट्टा-दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप डीएम पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के रेवली गांव के ग्राम प्रधान राजकुमार अग्रहरि पर सरकारी जमीन का पट्टा दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप लगा है। जिलाधिकारी के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं। मामले से जुड़ा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

रेवली गांव के ग्राम प्रधान राजकुमार अग्रहरि पर आरोप है कि उन्होंने एक युवक से सरकारी जमीन का पट्टा दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये लिए थे। पीड़ित युवक का कहना है कि पट्टा नहीं मिलने के बावजूद ग्राम प्रधान ने उसकी रकम वापस नहीं की। इस संबंध में युवक ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने केवल एक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि 50 से अधिक गरीब और पात्र लोगों से भी आवासीय पट्टा दिलाने का आश्वासन देकर धनराशि वसूली है। ग्रामीणों का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों से रकम लेने के बावजूद उन्हें कोई लाभ नहीं मिला। इसी बीच ग्राम प्रधान और युवक के बीच बातचीत का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ऑडियो में कथित तौर पर अभद्र भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणियां सुनाई दे रही हैं। आरोप है कि बातचीत के दौरान ग्राम प्रधान ने रायबरेली की जिलाधिकारी के लिए भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया।

आरोप : बिहार की महिला बोली- राम मंदिर दर्शन कराने के बहाने दुष्कर्म किया, 10 लाख के गहने हड़पे

अयोध्या के कथावाचक पर रेप की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या के रहने वाले कथावाचक पवन देव महाराज (42) पर बिहार की एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला ने कहा, कथावाचक पवन उसे राम मंदिर दर्शन कराने के बहाने अयोध्या लेकर आया। यहां दुष्कर्म किया। इसके बाद मंदिर में फर्जी शादी की। कुछ समय तक अपने साथ रखा। फिर जबरन मायके भेज दिया। महिला का आरोप है कि कथावाचक ने उसके करीब 10 लाख के गहने रख लिए। विरोध करने पर कथावाचक और उसके पिता पंडित रमाकांत शास्त्री ने मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने शनिवार रात महिला की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूरा मामला जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर बीकापुर कोतवाली क्षेत्र का है।

पवन देव महाराज आरोपी कथावाचक

घटना के बाद मैंने विरोध किया और पुलिस से शिकायत करने की बात कही। इस पर कथावाचक ने मुझसे माफी मांगते हुए शादी करने का वादा किया। कथावाचक ने मुझे अपने पास ही रखा, क्योंकि उसे डर था कि मैं तुरंत पुलिस के पास गई और मेडिकल जांच हुई तो मामला खुल सकता है। महिला ने बताया, घटना के बाद मैंने अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी। परिवार ने मुझे सावधान रहने के लिए कहा। लेकिन, मैंने कथावाचक के शादी के वादे पर भरोसा कर लिया। 17 अगस्त, 2025 को नाका हनुमानगढ़ी में हम दोनों ने शादी की।

बिहार में कथा के दौरान मुलाकात हुई

पीड़ित महिला बिहार के सीवान जिले की रहने वाली है। वह पहले से शादीशुदा है। दो बच्चे भी हैं। महिला ने बताया- 10 जुलाई, 2023 को चंपारण में कथा थी। इसी कथा में पहली बार मेरी मुलाकात पवन देव महाराज से हुई थी। उन्होंने मेरा नंबर लिया और हम दोनों की बीच बातचीत शुरू हो गई। पवन देव महाराज मुझे अपने फोटो और वीडियो भेजता था। धीरे-धीरे हम दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं।

महिला ने कहा कि राम मंदिर में दर्शन करने के बहाने कथावाचक अयोध्या लेकर आया था।

राम मंदिर दर्शन के बहाने मुझे अयोध्या लेकर आया

महिला ने बताया, पवन देव बिहार के मुजफ्फरपुर आया। मुझे कॉल किया कि मेरे साथ चलो राम मंदिर दर्शन करा देंगे। मुझे वीआईपी दर्शन कराने का भरोसा भी दिया। वहां से मुझे और मेरे बेटे को 10 जुलाई 2025 अयोध्या लेकर आया। उसने मुझे अपने घर में ठहराया। कहने लगा कि अयोध्या में मेरा घर है और हम लोग घर में ही रुकेंगे। घर में पवन देव की मां और छोटा भाई आनंद मिश्रा मौजूद थे।

बालू लदा ट्रक पलटने से ट्रक चालक की मौत कंडेक्टर घायल

प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को आई झपकी माना जा रहा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर-सूरतगंज मार्ग पर रविवार भोर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। घाघरा नदी के गनेशपुर घाट से बालू लेकर सिधौली जा रहा ट्रक मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के रायपुर गांव के पास अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकराते हुए सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में 24 वर्षीय चालक की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई घायल हो गया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को आई झपकी माना जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे जोरदार धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए। मौके पर पहुंचने पर देखा कि बालू से लदा ट्रक सड़क से नीचे उतरकर पलटा पड़ा है। ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। चालक उबैद अहमद स्टेयरिंग और सीट के बीच फंस गया था, जबकि खलासी अल्ताफ किसी तरह बाहर निकल आया और मदद के लिए गुहार लगाने लगा। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मोहम्मदपुर खाला पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। चालक ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिसे निकालने में करीब तीन घंटे का समय लग गया। काफी मशक्कत के बाद जब उसे बाहर निकाला गया तो उसकी सांसें थम चुकी थीं। मृतक की पहचान सीतापुर जनपद के अटरिया थाना क्षेत्र के मनवा गांव निवासी उबैद अहमद पुत्र गुड्डू के रूप में हुई। हादसे में घायल उसका चचेरा भाई अल्ताफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में भर्ती है, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों ने उबैद को मृत घोषित कर दिया।

टांडा-बांदा मार्ग के पास कमरे में मिला राशन, ट्रक भी मौके पर खड़ा मिला

धर्मकांटा पर छापा

> जांच में पाया गया कि राशन को वितरण केंद्र तक पहुंचाने के बजाय एक कमरे में रखवाया गया था। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह खाद्यान्न कोटेदारों के जरिए वितरित किया जाना था, लेकिन उसे रोककर वहां रखा गया।

कार्रवाई

- कमरे में रखा गया था पूरा स्टॉक
- एसडीएम की कार्रवाई, जांच जारी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। गरीबों को वितरित होने वाले सरकारी राशन के कथित भंडारण की सूचना पर अकबरपुर एसडीएम ने शनिवार को छापा मारा। कार्रवाई में धर्मकांटा परिसर के एक कमरे से 189 बोरी चावल, गेहूं और चीनी बरामद हुई। पूरा राशन सरकारी वितरण के लिए भेजा गया बताया जा रहा है।

डीएम के निर्देश पर एसडीएम अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। बरामद राशन को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। ट्रक और संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीर मानते हुए वितरण व्यवस्था और सप्लाई चैन की जांच के संकेत दिए हैं।

राशन वितरण से पहले ही रोकने का मामला

जानकारी के अनुसार कटेहरी क्षेत्र के कार्डधारकों को शनिवार को राशन वितरित किया जाना था। लेकिन वितरण से पहले ही राशन को अकबरपुर तहसील क्षेत्र के रघुनाथपुर के पास टांडा-बांदा राजमार्ग के किनारे स्थित एक धर्मकांटा पर रख दिया गया।

छापेमारी के दौरान वहीं पर वह ट्रक भी खड़ा मिला, जिससे राशन की सप्लाई की गई थी। मौके पर भारी मात्रा में सरकारी खाद्यान्न पाए जाने के बाद प्रशासन ने इसे कब्जे में ले लिया।

बारिश का हवाला देकर दी गई सफाई

मौके पर मौजूद लोगों की ओर से बताया गया कि ठेकेदार ने मौसम खराब होने और बारिश से बचाने के लिए राशन को धर्मकांटा परिसर में रखने की बात कही। हालांकि प्रशासन ने इस दावे की जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल बरामद राशन को सुरक्षित रखा गया है और जिम्मेदारों से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पुलिस भर्ती परीक्षा आज से रेटिना स्कैन के बाद ही मिलेगा प्रवेश

10 केंद्रों पर तीन दिन तक चलेगी परीक्षा, 26 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

तमसया संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की भर्ती परीक्षा सोमवार से जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर शुरू होगी। परीक्षा को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। तीन दिनों में 26,208 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की रेटिना जांच और फिंगर प्रिंट स्कैनिंग की जाएगी। सत्यापन के बाद ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने रविवार को जिले के सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन,

सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता और कानून-व्यवस्था से जुड़े इंतजामों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्क रहते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भी व्यवस्था की है। यातायात संचालन और भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। जिले के बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर, सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज लारपुर, एचटी इंटर कॉलेज टांडा, कौमी इंटर कॉलेज मीरानपुर टांडा सहित 10 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी।

> परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अभ्यर्थियों को त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, तलाशी व्यवस्था और प्रवेश-निकास मार्गों की विशेष व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी।

फास्ट न्यूज

उत्कृष्ट समन्वय पर चार्ज अधिकारी और अधिकारियों का सम्मान

आलापुर । जनगणना 2027 के तहत चल रहे मकान गणना और अनुसूचित जाति-जनजाति जनगणना कार्यक्रम में पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को नियमित मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करने वाले अधिकारियों को तहसील मुख्यालय पर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश के माध्यमिक संवर्ग के अयोध्या मंडल अध्यक्ष एवं जनगणना सुपरवाइजर डॉ. उदयराज मिश्र ने चार्ज अधिकारी पद्मेश श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार अमरनाथ द्विवेदी तथा पटल प्रभारी रिशु सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

रात का 'खुला ताला' और गायब जेवर

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के सुतहरपारा गांव में एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने चोरी से ज्यादा सवालों को जन्म दिया है। नागेंद्र के घर का ताला खोलकर चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामान पार कर दिए। घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन शुरुआती स्तर पर इसे संदिग्ध मानकर हर एंगल से पड़ताल की जा रही है।

घटना उस समय हुई जब घर के कुछ सदस्य बाहर और कुछ बरामदे में सो रहे थे। इसी बीच अज्ञात लोग मुख्य दरवाजे का ताला खोलकर अंदर घुस गए।

पुलिस भर्ती परीक्षा रोडवेज ने 30 बसें रिजर्व कीं

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज प्रशासन ने एक विशेष कार्य योजना तैयार की है। इसके तहत 7 से 10 जून तक परीक्षा अवधि के दौरान 30 बसों को रिजर्व रखा गया है।

इस व्यवस्था के अंतर्गत, आवश्यकतानुसार विभिन्न मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा।

एफपीओ समिति में तीन लाख रुपये की निकासी पर विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर क्षेत्र के बड़ेपुर स्थित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सहकारी समिति लिमिटेड में सरकारी अनुदान राशि के उपयोग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सचिव पर फर्जी हस्ताक्षर के जरिए करीब तीन लाख रुपये की निकासी करने का आरोप लगाया है।

समिति के अध्यक्ष फूलचंद वर्मा ने बताया कि संगठन का पंजीकरण 18 सितंबर 2024 को हुआ था। एनसीडीसी/एफपीओ योजना के तहत समिति को कुल 6.24 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ था। आरोप है कि इस राशि में से लगभग तीन लाख रुपये की निकासी नियमों के विपरीत की गई।

समिति के कार्यकारिणी सदस्य अच्छे लाल मौर्य, सुनील मौर्य और शिवम सिंह ने आरोप लगाया है कि निकासी से जुड़े दस्तावेजों में उनके

हस्ताक्षर दिखाए गए हैं, जबकि उन्होंने किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए। अध्यक्ष ने भी कहा कि दस्तावेजों पर मौजूद हस्ताक्षर उनके नहीं हैं और उन्हें धन निकासी की जानकारी नहीं दी गई।

मामले को लेकर शनिवार को समिति की बैठक आयोजित की गई, लेकिन सचिव इसमें शामिल नहीं हुए। बाद में फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने जल्द बैठक में आकर स्थिति स्पष्ट करने की बात कही।

सदस्यों ने सरकारी अनुदान राशि के उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। समिति में विवाद के बाद सदस्यों में नाराजगी देखी जा रही है।

1.08 करोड़ के कागजी लेनदेन में फंसा वृद्ध किसान

तीन बीघा जमीन, फर्जी चेक और अधूरा भुगतान, जांच में खुल रहे परत-दर-परत राज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र में जमीन सौदे को लेकर ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें कागजों पर करोड़ों का लेनदेन दिखाया गया, लेकिन वास्तविक भुगतान बेहद कम होने का आरोप है। तीन बीघा कृषि भूमि के बैनामे में कथित धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े की शिकायत पर डीआईजी के आदेश के बाद पुलिस ने तीन नामजद और तीन अज्ञात समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महरुआ क्षेत्र के जलालपुर सेहरा गांव निवासी सूर्यनरायन चौबे ने आरोप लगाया है कि उनकी तीन बीघा जमीन का सौदा 36 लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से तय हुआ था। कुल कीमत लगभग 1.08 करोड़ रुपये बनती है। आरोप है कि वास्तविक भुगतान में

केवल 5 लाख रुपये आरटीजीएस के जरिए और 30 हजार रुपये नकद दिए गए। इसके बाद लोन प्रक्रिया के नाम पर 3 लाख रुपये वापस लेने का भी आरोप है, जबकि शेष राशि का भुगतान नहीं हुआ। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि दस्तावेजों में कई चेक के जरिए भुगतान दिखाया गया है, जिनमें 8 लाख, 5 लाख, 8 लाख और 4 लाख रुपये शामिल हैं। इन सभी चेकों को पीड़ित ने फर्जी बताया है। साथ ही बैंक पासबुक भी आरोपितों के पास होने का दावा किया गया है। आरोप यह भी है कि एक चेक के साथ फोटो और वीडियो बनाकर भुगतान प्रक्रिया को वास्तविक दिखाने की कोशिश की गई, जबकि जमीन मालिक को वास्तविक लाभ नहीं मिला।

पीड़ित ने पहले स्थानीय स्तर पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। इसके बाद मामला डीआईजी तक पहुंचा, जहां से भीटी पुलिस को तत्काल केस दर्ज करने के निर्देश मिले। आदेश के बाद मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने विकास सिंह (मुकुन्दीपुर, महरुआ), अनुराग (खजुरी, भीटी), राजेश कुमार सिंह (बेला) और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष के अनुसार, पूरे लेनदेन, दस्तावेज और बैंक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, कई घायल

पीड़ित पक्ष ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरोला गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार सुबह दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना में कई लोग घायल हो गए। घायल पक्ष ने पुलिस पर मामले में प्रभावी कार्रवाई न करने और आरोपितों को बचाने का आरोप लगाया है।

पीड़ित रणधीर ने बताया कि उसकी माता के नाम दर्ज जमीन को लेकर गांव के कुछ लोगों से विवाद चल रहा है। आरोप है कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर गिर पड़ा। पीड़ित पक्ष के अनुसार, शोर सुनकर परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे तो

हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि घर में घुसकर महिलाओं के साथ अभद्रता की गई और घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाया गया। नल तोड़े जाने और अन्य सामान क्षतिग्रस्त करने की भी शिकायत की गई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर भेजा, जहां उनका उपचार कराया गया। हालांकि घायल पक्ष का आरोप है कि गंभीर आरोपों के बावजूद मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।

उर्वरक वितरण पर सख्ती जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

जिलाधिकारी ने बैठक में दिए स्पष्ट आदेश

तमसया संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय उर्वरक समिति और धरती माता बचाओ समिति की बैठक जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उर्वरक वितरण व्यवस्था, उपलब्धता और निगरानी पर विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जमाखोरी, कालाबाजारी और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक के लिए किसी भी स्थिति में परेशान न होना पड़े।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों को केवल फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। जिन किसानों की रजिस्ट्री नहीं बनी है, उनकी प्रक्रिया पंचायत सहायक, जन सेवा केंद्र या कृषि विभाग के कर्मचारियों के

माध्यम से तत्काल पूरी कराई जाए। उन्होंने कहा कि खाद वितरण में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। जून माह तक यूरिया का लक्ष्य 7135 मीट्रिक टन के सापेक्ष 22505 मीट्रिक टन, डीएपी 2650 के सापेक्ष 5840 मीट्रिक टन, एनपीके 484 के सापेक्ष 3451 मीट्रिक टन, एसएसपी 3427 के सापेक्ष 16359 मीट्रिक टन और एमओपी 296 के सापेक्ष 153 मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में वितरण के बाद भी सहकारिता और निजी क्षेत्र में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

1.79 लाख लाभार्थियों तक पहुंचेंगी रेडी-टू-ईट पोषण सामग्री, बारकोड ट्रैकिंग से होगी निगरानी

2551 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बदलेगा पोषण वितरण सिस्टम

> नई व्यवस्था के तहत अब लाभार्थियों को आटा बेसन हलवा, आटा बेसन बर्फी (मीठा), दलिया मूंग सोया खिचड़ी (नमकीन) और ऊर्जा युक्त हलवा जैसी तैयार खाद्य सामग्री दी जाएगी। यह सभी उत्पाद अनुपूरक रेसिपी के रूप में केंद्रों पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

बदलाव

- रेडी-टू-ईट पोषण सामग्री का वितरण
- 1.79 लाख लाभार्थियों का पूरा नेटवर्क
- कुपोषण रोकने पर फोकस

तमसया संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वितरण व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब 2551 केंद्रों पर लगभग 1.79 लाख बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को

खाद्य सामग्री नैफेड की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। शासन के निर्देश पर अप्रैल माह से यह नई व्यवस्था लागू की गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों का मुख्य उद्देश्य बच्चों और महिलाओं में कुपोषण को रोकना और स्वास्थ्य सुधार करना है। नई व्यवस्था से वितरण में देरी और गड़बड़ी की समस्या कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी एसके सिंह ने बताया कि जल्द ही सभी केंद्रों पर आपूर्ति पूरी कर दी जाएगी और पूरी व्यवस्था को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जा रहा है।

आपूर्ति शुरू, बारकोड से होगी ट्रैकिंग

नैफेड की ओर से जिले में आपूर्ति शुरू कर दी गई है। अब तक 300 से अधिक केंद्रों तक सामग्री पहुंच चुकी है। प्रत्येक पैकेट पर बारकोड लगाया जाएगा, जिससे वितरण की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

स्वयं सहायता समूहों की जगह नैफेड की जिम्मेदारी

पहले आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ड्राई राशन और अन्य सामग्री वितरित की जाती थी। लेकिन देरी और अनियमितताओं की शिकायतों के बाद व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब नैफेड सीधे अनुपूरक पोषण आहार तैयार कर केंद्रों तक पहुंचाएगा।

- जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के अनुसार जिले के 2551 आंगनबाड़ी केंद्रों पर कुल 1,79,000 लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें 8480 बच्चे छह माह तक के, 77,833 बच्चे छह माह से तीन वर्ष तक के, 82,762 बच्चे तीन से छह वर्ष तक के और 10,688 गर्भवती व धात्री महिलाएं शामिल हैं।

बसखारी में स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल वीडियो के बाद भी कार्रवाई नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विकास खंड बसखारी के ग्राम सभा हंसवर के वार्ड नंबर 12 में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत और वीडियो साक्ष्य सामने आने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। वार्ड 12 निवासी मास्टर अबूसाद के घर के सामने लंबे समय से कूड़ा जमा होने का आरोप है। स्थानीय लोगों के अनुसार कूड़े के ढेर से तेज दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है।

ग्रामीणों का कहना है कि मामला सामने आने और वीडियो वायरल होने के बावजूद खंड विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मी मिश्रीलाल पर कार्रवाई के बजाय संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो

- हंसवर गांव के वार्ड 12 में कूड़े का ढेर, ग्रामीणों ने लगाए अनदेखी के आरोप

रही है। लगातार अनदेखी से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। गंदगी के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है और स्वास्थ्य जोखिम बढ़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने अब इस मामले को उच्च स्तर पर ले जाने की तैयारी शुरू कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि वीडियो साक्ष्य और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए अब मामले को मुख्यमंत्री पोर्टल, 1076 हेल्पलाइन और पंचायती राज विभाग तक भेजा जाएगा।

कोहराम : कूलर का तार लगाते समय हादसा, सिसारा गांव में हादसे से मचा हड़कंप

पोल्ट्री फार्म में करंट से श्रमिक की मौत

- अस्पताल पहुंचाया गया, इलाज के दौरान मौत
- परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़
- पोल्ट्री फार्म संचालक पर काम का भार
- पुलिस और बिजली विभाग जांच में जुटे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सिसारा गांव में स्थित एक पोल्ट्री फार्म पर कार्यरत श्रमिक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना शनिवार रात की है। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना के बाद आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में गुड्डू को निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर रेफर किया गया। रविवार दोपहर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

> जानकारी के अनुसार, गुड्डू कई वर्षों से सिसारा गांव के प्रधान रोहित चौधरी द्वारा संचालित पोल्ट्री फार्म पर काम कर रहा था और वहीं परिवार के साथ रहता था। वह इसी काम से परिवार का भरण-पोषण करता था।

कूलर का तार लगाते समय हादसा

मृतक की पहचान उन्नाव जनपद के सुलेमपुर गांव निवासी गुड्डू (32) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी कोमल और दो बच्चों के साथ पोल्ट्री फार्म पर रहकर काम करता था। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात वह कूलर का तार बिजली बोर्ड में लगा रहा था। इसी दौरान तार में कट होने से वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया।

गुड्डू की मौत की खबर मिलते ही पत्नी कोमल का रो-रोकर बुरा हाल है। दो छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पूरे परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है।

थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं अवर अभियंता अरविंद सिंह ने कहा कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है कि हादसा किन कारणों से हुआ।

अकबरपुर पुलिस का विशेष अभियान, 18 वारंटी गिरफ्तार

10 टीमों की दबिश में न्यायालय वारंटों पर बड़ी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन और लंबे समय से फरार चल रहे आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने रविवार को विशेष अभियान चलाया। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में 10 विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार दबिश देकर एक ही दिन में 18 वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए वारंटियों में अमरनाथ पुत्र रामदत्त निवासी सोनगांव जमालपुर, प्रवीण कुमार वर्मा पुत्र केशवराम वर्मा निवासी पसियापारा, नितेश तिवारी पुत्र शेषमणि तिवारी निवासी जमुनीपुर, आज्ञाराम पुत्र पाले निवासी चाँदपुर भटपुरा, अबधेश पुत्र पाले निवासी चाँदपुर भटपुरा, बुझावन पुत्र जियावन निवासी सिसानी अखईपुर और बलई पुत्र जियावन निवासी सिसानी अखईपुर शामिल हैं। इसके

अलावा दीपू उर्फ दीपनारायण पुत्र राममुन्नर निवासी विहलोलपुर, अमित पुत्र चन्द्रशेखर निवासी विहलोलपुर, मो. इजहार पुत्र मो. आरिफ निवासी कुड़िया चितौना, अच्छेलाल पुत्र रामजियावन निवासी माधवपुर, रामू पुत्र बैजनाथ निवासी माधवपुर, दिनेश पुत्र बहादुर निवासी संघतिया शाहजादपुर और सुरेश पुत्र गुड्डू निवासी संघतिया शाहजादपुर को भी गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में कतवारू पुत्र दुलारे निवासी विगरिया बनकेगांव, जोखू पुत्र भदई निवासी उकरा, धौताल वर्मा पुत्र रामअचल निवासी सुराड़ी और विवेक कुमार विश्वकर्मा पुत्र कृष्ण कुमार निवासी मीरानपुर को भी पुलिस ने दबिश के दौरान गिरफ्तार किया।

सम्पादकीय

आर्थिक सुधारों को गति मिले

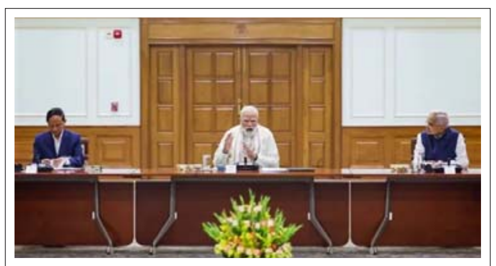

प्रधानमंत्री ने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ बैठक कर मौजूदा आर्थिक समस्याओं से निपटने पर जो मंथन किया, वह समय की मांग था। विश्व स्तर पर जारी उथल-पुथल और विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट ने अन्य देशों के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था के सामने भी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

सबसे बड़ी चुनौती खाड़ी के देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति में बाधा के कारण खड़ी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बावजूद हालात सामान्य होने के कोई आसार नहीं दिखते। हालात तब तक सामान्य होने वाले नहीं हैं, जब तक होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित रहता है। अमेरिका तमाम प्रयत्नों के बावजूद ईरान पर ऐसा दबाव नहीं डाल पा रहा है, जिससे यह जलमार्ग जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए खुल सके।

चूंकि युद्धविराम के बाद भी अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के ठिकानों को निशाना बनाते रहते हैं, इसलिए तेल एवं गैस के दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह ठीक है कि पश्चिम एशिया संकट ने अर्थव्यवस्था के समक्ष जो कठिनाइयां पैदा की हैं, उन्हें दूर करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं, लेकिन अभी उन्हें पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। ऊर्जा संसाधनों की बचत और मितव्ययिता बरतने के सुझावों पर कितना भी अमल हो, वह एक हद तक ही प्रभावी हो सकता है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से भारत का आयात बिल बढ़ रहा है और उधर अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते के संपन्न होने की कोई सूरत नहीं दिख रही है। अच्छी बात यह है कि देश के विशालकाय मध्य वर्ग की क्रय क्षमता के चलते वैसा कोई गंभीर आर्थिक संकट खड़ा होता नहीं दिख रहा है, जैसा कुछ विपक्षी नेता बता रहे हैं, लेकिन यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचा तो समस्याएं और अधिक बढ़ सकती हैं। इससे कारोबार जगत के साथ आम लोग भी प्रभावित होंगे।

इन स्थितियों में यह आवश्यक है कि सभी वांछित आर्थिक सुधारों की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ा जाए। यह समझा जाए कि कारोबारी सुगमता को वास्तव में और बेहतर बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि हमारे प्रमुख उद्योगपति देश में उतना निवेश नहीं कर रहे हैं, जितना उन्हें करना चाहिए। इसी के साथ सरकार को यह भी देखना होगा कि विदेशी निवेशक पर्याप्त मात्रा में पूंजी का निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं?

बीते दिनों उन्हें आकर्षित करने के लिए कुछ कदम अवश्य उठाए गए हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आएं। भारत को इस पर विशेष ध्यान देना होगा कि आवश्यक वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम हो और निर्यात बढ़े। निःसंदेह यह तभी संभव होगा, जब सरकार और उद्योग जगत चुनौतियों का सामना मिलकर करेंगे।

कलात्मक जीवन जीना

आदमी का जीवन अनिश्चितकालीन हैं । जैसे वृक्ष का पका हुआ पान कभी भी गिर जाता हैं । वह इसी तरह मनुष्य का जीवन भी कभी भी समाप्त हो सकता हैं । जीवनकाल की समाप्ति के बाद फिर कहीं जाना होता हैं । इसलिए भगवान् महावीर ने अपने सुशिष्य गौतम को संबोधित कर कहा - हे गौतम ! समय मात्र यानि अल्पकाल के लिए भी प्रमाद मत करों, अप्रमाद में रहों, जागरूक रहों, अध्यात्मलीन बने रहों । पाप, व्यसन और आसक्ति में मत जाओं । यह एक प्रकार से जीने की कला के सूत्र हैं । वैसे तो सभी अपना जीवन जीते हैं लेकिन कुछ लोगों का जीवन ऐसा प्रेरणास्पद युगों-युगों तक याद रखने जैसा बन जाता है । जीवन के रंगमंच पर हम सबको अनेक चरित्र निभाने पड़ते हैं जिनमें हमारा पारिवारिक चित्र प्रथम होता है । परिवार में भी भिन्न -भिन्न रिश्तों का भिन्न-भिन्न प्रकार होता है । जहाँ पिता-पुत्र, पति-पत्नी, नाती-पोतों संग रोल का भिन्न-भिन्न आकार होना पड़ता है। पारिवारिक कर्तव्य निभाते हुए सामाजिक संबंधों का दायरा विकसित होता है । जहां हमारा व्यक्तित्व एक नया मुहावरा सामाजिकता लेता है । इन पारिवारिकता, सामाजिकता आदि में अलग-अलग अभिलाषाएं आकांक्षाएं आदि जन्म लेती है । वह जिन्हें पूर्ण करने के प्रयत्न में व्यक्ति को कई नई-नई व्यस्तताएं उलझाए रखती हैं। इस तरह भिन्न-भिन्न रोल निभाते हुए जीवन जीना एक कठिन साधना बन जाता है। कुशलता इसी में है कि किसी भी संबंध को

चोट न पहुंचे। आपको साथ ही सभी ऊंची नजरों से देखें। खास बात यह है कि इन सबके साथ-साथ जीवन के मुख्य ध्येय आत्मिक उन्नयन की उपेक्षा न करना। तदर्थ हम जितना श्रम अपने जीवन-यापन व सामाजिकता के लिए करते हैं उससे अधिक यत्न आत्मशुद्धि के लिए करना चाहिए ।

› प्रदीप छाजेड़

यह संगठित हिन्दू समाज का नतीजा है

> हिन्दुओं के संगठित वोट का नतीजा ही है कि ममता का राज तो गया ही, उनके हाथ से पार्टी भी निकलती दिख रही है। टीएमसी का विरोधी गुट मान्यता प्राप्त विपक्षी दल हो गया है। बीस से ज्यादा सांसद भी टूटने वाले हैं।

देश में वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ही मूलतः एक संगठित और समरस हिन्दू समाज बनाने के लिये की गई थी। साथ ही राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण भी उसके साथ एक बड़ा लक्ष्य था क्योंकि संघ के प्रथम सरसंघचालक डा0 हेडगवार को यह पूरी तरह एहसास हो गया था कि जातियों में बंटा और आत्ममुग्धता का शिकार होना सिर्फ हिन्दू समाज की ही नहीं वरन देश की सबसे बड़ी समस्या है। सदियों से यह मान्यता रही है कि चार हिन्दू तभी इकट्ठा होते है, जब किसी शव को ले जाना होता हैं। वस्तुतः हिन्दू समाज में व्याप्त भयावह जातिवाद की समस्या के चलते ही देश की स्वतंत्रता के बाद ही कमोबेश देश में अपने को धर्मनिरपेक्ष कहे जाने वाले दलों ने देश में मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरूआत की। पहले तो यह प्रवृत्ति कांग्रेस पार्टी में ही देखी जाती थी, पर धीरे-धीरे जो प्रदेश में क्षेत्रीय दल बने, उन्होंने इस दिशा में बढ़-चढ़कर मुस्लिम तुष्टिकरण का और वोट बैंक की राजनीति करने का उद्यम शुरू किया। इसका कारण यह था कि मुस्लिमों के थोक वोट और जातियों में बंटे हिन्दू समाज के कुछ जातियों के वोट उन्हें सत्ता की सीढ़ी तक पहुँचाने में एकमात्र साधन बन गये थे जिसका परिणाम यह हुआ कि देश में जहाँ हिन्दुओं की आबादी कम अनुपात में बढ़ी, वही मुसलमानों की आबादी ज्यादा संख्या में बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण जहाँ परिवार नियोजन जैसे साधनों का मुसलमानों में न के बराबर प्रयोग होना, उनमें बहुविवाह का प्रचलन होना रहा, इसके साथ घुसपैठ भी एक बड़ा कारण था। इसका नतीजा यह था कि 1947 में जहाँ हिन्दुओं की जनसंख्या देश में 84 प्रतिशत थी, वहीं मुसलमानों की आबादी 9 प्रतिशत थी। अब वर्तमान में हिन्दुओं की आबादी जहाँ 80 प्रतिशत है, वहीं मुसलमानों की आबादी बढ़कर 14 प्रतिशत पहुँच गई है। देश में सीमावर्ती प्रान्तों जैसे असम और बंगाल में बाग्लादेशी घुसपैठियों के चलते वहाँ पर मुस्लिम आबादी क्रमशः 35 एवं 30 प्रतिशत हो गई है। इतना ही नहीं, असम और बंगाल के कई सीमावर्ती क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो जाने से वह क्षेत्र एक तरफ से हिन्दू विहीन हो गये हैं। गौर करने की बात है कि देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में हिन्दुओं की आबादी न होना जिसे देश का राष्ट्र समाज कहा जाता है, जो देश की सभी समस्याओं का, देश की सुरक्षा की एकता-अखण्डता की चिंता करता है, कितनी गम्भीर बात है। इसकी परिणिति इस रूप में हुई कि वहाँ पर मुस्लिमों की निर्बाध घुसपैठ और फिर उनका पूरे देश में अतिक्रमण! इसका सबसे बड़ा कारण यह कि वहाँ पर लम्बे समय तक वोट बैंक की राजनीति करने वाली पार्टियाँ ही शासन करती रहीं। लेकिन उस दिशा में युगांतरकारी मोड़ तब आया जब वर्ष 2016 में असम में भाजपा की सरकार आयी और वहाँ पर धीरे-धीरे घुसपैठियों का प्रवेश असंभव हो गया। कुछ ऐसी ही स्थिति बाग्लादेश सीमा पर स्थिति त्रिपुरा में भी आयी, जब वहाँ पर भाजपा की सरकार आ गई। यहाँ तक कि इन राज्यों में बाड़ लगाकर सीमा को पूरी तरह सुरक्षित कर दिया गया परन्तु पश्चिम बंगाल में क्रमशः वाम मोर्चा और तृणमूल की वोट बैंक की राजनीति के चलते बाग्लादेशी सीमा से लगी अधिकांश सीमा खुली रही और वहाँ घुसपैठ सिर्फ जारी ही नहीं रही। उन्हें आधार कार्ड, राशन कार्ड देकर वोट का अधिकार तो दिया ही गया, इतना ही नहीं वहाँ उन्हें आवास सुविधायें भी दिलाई गईं। लोगो की स्मृति में यह बात अभी तक होगी कि पिछले विधानसभा चुनाव और पंचायती चुनाव में इन घुसपैठियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर कैसे-कैसे अत्याचार किये। हजारो हिन्दुओं पर हमले हुये, कई की हत्याएं की गई, कई लोगो के घर जला दिये गये और महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किये गये पर ममता सरकार उनके विरूद्ध कोई ठोस कार्यवाही करने के बजाय प्रकारान्तर से उन्हीं के पक्ष में खड़ी रही। इस चुनाव में भी ममता ने हिन्दुओं को धमकाया था कि आप मेरे कारण सुरक्षित हैं वरना एक समुदाय आपको तत्काल सबक सिखा देगा।

पर ममता बनर्जी और दूसरे वोट बैंक की राजनीति करने वाले सत्ता के भूखे राजनीतिज्ञों को यह पता नहीं था कि उनकी हद दर्जे की ये हिन्दू विरोधी नीतियाँ और कृत्य एकदिन हिन्दू समाज को एकजुट और संगठित कर देंगे । जिस तरह से बंगाल में सिंडीकेट का राज्य, मनीकट का दौर, हिन्दुओं पर अत्याचार जारी रहा। फलतः हिन्दू समाज को असम और देश के दूसरे हिस्सों की तरह एकजुट होना पड़ा जिसका परिणाम यह हुआ है कि बंगाल की सीमाओं से घुपैठ तो करीब-करीब रूक ही गई है। वहाँ पर सीमा पर बाड़ लगाने के लिये बीएसएफ को जमीन उपलब्ध कराने की दिशा में भी तेजी से काम चल रहा है। जो घुसपैठिये पहले हिन्दुओं के साथ गुण्डागर्दी और अत्याचार करते रहते थे, वह अपने आप बंग्लादेश की ओर पलायन करते दिखाई दे रहे हैं। जहाँगीर खान जैसे लोग जो अपने को पुष्पा बताते थे और मनमानी हिन्दुओं के वोट डलवा लेते थे, अब उनके बुरे दिन शुरू हो गये हैं। दूसरे के मकानों और दुकानों पर कब्जा करके अवैध कृत्य करने वाले टीएमसी के लोगो की शामत आ गई है, कई जगह तो आमजन ही उनकी औकात बता रहे हैं, जबकि यही आमजन पहले भीगी बिल्ली बने रहते थे। सबसे बड़ी बात यह कि बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने से डेमोग्राफी बदलने का खतरा टल गया है, देश की सीमाएं सुरक्षित हो गई हैं। असम जैसे 35 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या वाले राज्य में यूसीसी लागू किसी चमत्कार से कम नहीं। हिन्दुओं के संगठित वोट का ही परिणाम है कि जिस बंगाल में ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी की तूती बोलती थी, जो ईडी, सीबीआई और यहाँ तक कि देश में गृहमंत्री को भी आखें दिखाने में गुरेज नहीं करते थे, उन्हें आमजन थपड़िया रहे हैं। टीएमसी के नेता कटमनी लौटाने का एनाउंस करते घूम रहे हैं। टीएमसी के लुटेरे और और गुंडे आम आदमी के सामने डरे और सहमे हुये हैं। इसका एक और भी बड़ा कारण ममता का अंध परिवारवाद है, जिसमें एक तरफ से पूरे 15 साल अभिषेक ही सत्ता और पार्टी चला रहे थे और अब भी ममता चाहती हैं कि अभिषेक के तुगलकी फरमान के समक्ष कोई चू-चपड़ न करे, परन्तु सत्ता का सीमेंट टूट जाने से अब तृणमूल में भारी विद्रोह हो गया है पर आत्म केन्द्रित ममता को कुछ समझ में नहीं आ रहा।

- वीरेन्द्र सिंह परिहार

आज झारखंड के ...

अशोक कुमार झा

जंगल में बिखरी दवाइयाँ: क्या गरीबों की जिंदगी और जनता के टैक्स के पैसे की कोई कीमत नहीं?

झारखंड के लातेहार जिले के मनिका क्षेत्र से सामने आई एक तस्वीर ने न केवल राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा किया है बल्कि शासन-प्रशासन की जवाबदेही, सरकारी संसाधनों के उपयोग और गरीबों के अधिकारों को लेकर भी एक बड़ी बहस छेड़ दी है। मनिका थाना और दोमुहान नदी के बीच जंगल में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयों का फेंका जाना केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था की भयावह सच्चाई है जिसमें एक तरफ गरीब मरीज अस्पतालों में दवा के लिए भटकते हैं और दूसरी तरफ उन्हीं मरीजों के लिए खरीदी गई दवाइयाँ जंगलों और सड़कों पर कचरे की तरह फेंक दी जाती हैं। यह दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त है।

सरकारी दवाइयाँ कोई साधारण वस्तु नहीं होतीं। इनके पीछे करोड़ों रुपये का सार्वजनिक धन खर्च होता है। यह धन किसी मंत्री, अधिकारी या विभाग की निजी संपत्ति नहीं बल्कि देश और राज्य के करोड़ों करदाताओं की मेहनत की कमाई से आता है। जब सरकार दवाइयाँ खरीदती है तो उसका उद्देश्य यह होता है कि आर्थिक रूप से कमजोर, गरीब और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके लेकिन यदि वही दवाइयाँ अस्पतालों तक पहुंचने के बजाय जंगलों में फेंकी जा रही हों, तो यह केवल वित्तीय अनियमितता नहीं बल्कि जनता के विश्वास के साथ किया गया खुला विश्वासघात है।

आज झारखंड के अधिकांश सरकारी अस्पतालों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को अक्सर यह सुनने को मिलता है कि अस्पताल में दवा उपलब्ध नहीं है। कई बार डॉक्टर मरीजों को बाहर की दुकानों से दवा खरीदने की सलाह देते हैं। गरीब परिवारों को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है, जमीन बेचनी पड़ती है या फिर इलाज अधूरा छोड़ना पड़ता है। स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण हजारों लोग समय पर उपचार नहीं मिलने से गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। ऐसे माहौल में यदि लाखों रुपये मूल्य की सरकारी दवाइयाँ जंगल में पड़ी मिलती हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर मरीजों तक दवा पहुंचाने की जिम्मेदारी किसकी थी और वह जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाई गई? इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कोई सामान्य गलती नहीं हो सकती। सरकारी दवाइयों की खरीद, भंडारण, परिवहन और वितरण की एक पूरी प्रक्रिया होती है। हर स्तर पर रिकॉर्ड रखा जाता है। किस अस्पताल को कितनी दवा भेजी गई, किस गोदाम में कितना स्टॉक रखा गया, कौन अधिकारी इसकी निगरानी कर रहा था—इन सबका स्पष्ट विवरण मौजूद होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में दवाइयाँ जंगल तक पहुंचीं कैसे? क्या ये दवाइयाँ एक्सपायर हो चुकी थीं? यदि हाँ, तो उन्हें वैज्ञानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट क्यों नहीं किया गया? यदि दवाइयाँ उपयोग योग्य थीं, तो उन्हें मरीजों तक क्यों नहीं पहुंचाया गया? इन सवालों का जवाब केवल प्रशासनिक जांच से नहीं बल्कि पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई से ही मिल सकता है।

यह घटना झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की उन कमियों को भी उजागर करती है, जिनकी चर्चा वर्षों से होती रही है। राज्य बनने के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए। नए अस्पताल बने, योजनाएँ शुरू हुईं, दवा खरीद के लिए बजट बढ़ाया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी है। कई अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं हैं। आधुनिक उपकरणों का अभाव है। दवाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती। ऐसे में जंगल में फेंकी गई दवाइयाँ केवल एक घटना नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का प्रतीक बन जाती हैं।

इस मामले का दूसरा पहलू राजनीतिक और लोकतांत्रिक जवाबदेही से जुड़ा है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं बल्कि जनता के मुद्दों को उठाना भी होता है। जब कोई जनप्रतिनिधि या पत्रकार ऐसे मामलों को सामने लाता है, तो सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिए कि वह तथ्यों की जांच करे और दोषियों पर कार्रवाई करे। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब पैदा होती है जब सवालों का जवाब देने के बजाय सवाल पूछने वालों को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है।

गौ संरक्षण केंद्र से ग्रामीण स्वावलम्बन की ओर बढ़ता आगरा का गांव खेड़ा राठौर

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में कृषि और पशुपालन हमेशा से आर्थिक एवं सामाजिक जीवन की धुरी रहे हैं। बदलते समय के साथ निराश्रित और बेसहारा गोवंश की समस्या एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी जिसका सीधा असर किसानों की फसलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा लागू किया गया निराश्रित गोवंश संरक्षण कार्यक्रम एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम साबित हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जनपदों में सुनियोजित तरीके से गौवंश आश्रय स्थलों का निर्माण और संचालन किया जा रहा है। जिला प्रशासन की कुशल देखरेख और स्थानीय जनभागीदारी के समन्वय से इन केंद्रों को न केवल पशुओं के ठहरने का स्थान बल्कि ग्रामीण विकास और पारिस्थितिक संतुलन का एक उत्कृष्ट केंद्र बनाया जा रहा है।

इसी दूरदर्शी सोच का एक जीवंत उदाहरण आगरा जनपद के बाह तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम खेड़ा राठौर में देखने को मिलता है। यहाँ स्थापित वृहद गौ संरक्षण केंद्र ने पशुधन प्रबंधन और उनके कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश की है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व स्थापित इस केंद्र ने अपनी निर्धारित परिचालन सीमाओं से आगे बढ़कर काम किया है और आज यह बेसहारा, बीमार और कमजोर गोवंश के लिए एक अत्यंत सुरक्षित और समृद्ध आश्रय स्थल का रूप ले चुका है।

इस गौ संरक्षण केंद्र की सफलता का मुख्य आधार इसका मजबूत बुनियादी ढांचा और वैज्ञानिक प्रबंधन है। सामान्यतः ऐसे केंद्रों में क्षमता से अधिक पशु होने पर अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है लेकिन यहाँ की कहानी बिल्कुल अलग है। आधिकारिक तौर पर चार सौ पशुओं की क्षमता वाले इस आश्रय स्थल में वर्तमान में चार सौ से अधिक पशु बेहद सुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे हैं। जिला प्रशासन ने यहाँ देखभाल की गुणवत्ता से समझौता किए बिना संसाधनों का ऐसा कुशल आवंटन किया है कि हर पशु को उचित पोषण और चिकित्सा सहायता मिल रही है। यह प्रबंधन व्यवस्था जनपद के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक मार्गदर्शिका बन रही है।

बुनियादी ढांचे की बात करें तो इस केंद्र का निर्माण लगभग एक एकड़ की विस्तृत भूमि पर किया गया है। इसकी बनावट में वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं का पूरा ध्यान रखा गया है। उत्तर-दक्षिण दिशा में संरेखित करते हुए यहाँ एक विशाल भूसा गोदाम बनाया गया है जिसकी क्षमता चार सौ कुंतल है। उत्तर-दक्षिण दिशा के चयन के पीछे मुख्य उद्देश्य हवा की आवाजाही को बेहतर बनाए रखना और नमी को नियंत्रित करना है जिससे चारे की गुणवत्ता लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहती है और उसमें फंगस या सड़न की समस्या नहीं होती। इसके साथ ही पशुओं को सुगमता से चारा खिलाने के लिए आधुनिक चरहियों का निर्माण किया गया है। केंद्र परिसर में चौबीस घंटे निगरानी के लिए केयरटेकर कक्ष और प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन हेतु एक समर्पित कार्यालय भी स्थापित किया गया है।

इस केंद्र का स्थान चयन बहुत सावधानी से किया गया है। यह मुख्य गाँव की घनी आबादी से लगभग सौ मीटर की सुरक्षित दूरी पर स्थित है जिससे गाँव में किसी भी प्रकार की गंदगी या संक्रमण का खतरा नहीं रहता। साथ ही मुख्य मार्ग से एक पक्की सड़क द्वारा जुड़े होने के कारण यहाँ चारे की आपूर्ति, चिकित्सकीय वाहनों के आवागमन और प्रशासनिक निरीक्षण के लिए पहुँचना बेहद आसान है। इस केंद्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्राकृतिक रेतीली जमीन और उन्नत जल निकासी प्रणाली है।

जरा हटके

समाज कल्याण ...

आशिया खातून, सूचना अधिकारी

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों ने रचा इतिहास

प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता होती है तो केवल सही अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की। उत्तर प्रदेश सरकार की इसी सोच को साकार कर रहे हैं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित इन आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस वर्ष जेईई मेंस, जेईई एडवांस्ड और बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया है कि यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित वातावरण उपलब्ध कराया जाए तो ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

प्रदेश में इस वर्ष सर्वोदय विद्यालयों के 11 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जबकि छात्रा प्रीति ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई कर विद्यालयों की उपलब्धियों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम बनाया है। इसी दृष्टिकोण के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों का उद्देश्य केवल औपचारिक शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करना भी है, जिनके पास संसाधनों की कमी के कारण बड़े अवसरों तक पहुंच नहीं बन पाती। आज ये विद्यालय हजारों विद्यार्थियों के लिए उम्मीद का केंद्र बन चुके हैं। यहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवास, भोजन, पुस्तकें, वर्दी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। मिर्जापुर के मड़िहान स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय को विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विकसित किया गया है। डॉ. अरुण कुमार तिवारी, ट्रस्टी एक्स नवोदयन फाउंडेशन तथा टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के सीएसआर सहयोग से यहां जेईई और नीट की निःशुल्क तैयारी के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को वही सुविधाएं उपलब्ध कराना है जो सामान्यतः बड़े शहरों के महंगे कोचिंग संस्थानों में मिलती हैं। विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन, नियमित टेस्ट, आधुनिक अध्ययन सामग्री और प्रतियोगी वातावरण ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इसका परिणाम इस वर्ष सामने आया, जब यहां से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने देश की सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की। इस वर्ष सर्वोदय विद्यालयों के कुल 11 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विभाग और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मिर्जापुर के मड़िहान स्थित सर्वोदय विद्यालय की छात्राएं दामिनी पटेल, अंवाला वर्मा, सृष्टि, शिवानी और रागनी ने जेईई मेंस परीक्षा में सफलता हासिल की। इन छात्राओं ने यह साबित किया है कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है। इन्हीं छात्राओं में शामिल प्रीति ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए जेईई एडवांस्ड के लिए भी क्वालीफाई किया है। यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है क्योंकि जेईई एडवांस्ड को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिना जाता है और इसके माध्यम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश मिलता है। इसके अलावा देवरिया के मेहरौना सर्वोदय विद्यालय के विकास यादव और अंकित सिंह, बाराबंकी के तीरगांव सर्वोदय विद्यालय के अभिषेक मिश्रा, बस्ती के जोगियाटप्पा भानपुर सर्वोदय विद्यालय के अमित कुमार तथा मिर्जापुर के परसिया सर्वोदय विद्यालय के ऋषिकेश भारती ने भी जेईई मेंस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। सफलता की इस कहानी में प्रीति और दामिनी पटेल का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। दोनों छात्राओं को आईआईटी मंडी के प्रतिष्ठित बीबीए और एमबीए कार्यक्रमों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि सर्वोदय विद्यालयों में उपलब्ध कराए जा रहे गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण का प्रमाण भी है। सीमित संसाधनों वाले परिवारों से आने वाली इन छात्राओं ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। आज उनकी सफलता प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 103 आवासीय जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास, खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास का अवसर दिया जाता है।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन को उप मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

'लोकतंत्र की जीवनरेखा है पत्रकारिता'

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ / आगरा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आगरा में आयोजित नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे),के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की प्राणवायु है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारपूर्ण है। लोकतंत्र तभी सशक्त और जीवंत रह सकता है जब उसके सभी स्तंभ अपनी-अपनी भूमिका का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्वहन करें।

कार्यक्रम का शुभारम्भ उप मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित देश के विभिन्न राज्यों से आए पत्रकारों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि पत्रकार दिन-रात समाज को जागरूक करने, जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। मौर्य ने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके साथ-साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है।

आज भारत वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रहा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। ऊर्जा संकट, वैश्विक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा उत्पादन, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी विकास के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को विश्व के अनेक देशों द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए गए हैं। यह सम्मान केवल प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

लोकतंत्र में मीडिया की कलम में अपार शक्ति

मौर्य ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की कलम में अपार शक्ति होती है। यदि सरकार जनहित के कार्यों में कहीं कमी छोड़ती है तो पत्रकार उसे सामने लाने का अधिकार रखते हैं और यदि कोई अच्छा कार्य होता है तो उसे जनता तक पहुंचाने में भी मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वन नेशन-वन इलेक्शन की अवधारणा संसाधनों की बचत और विकास की गति को और तेज करने में सहायक होगी। देश की युवा पीढ़ी और आम नागरिक भी इस विचार का व्यापक समर्थन कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इन्जन सरकार सुशासन, विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने पत्रकारों से लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

पेपर लीक करने का झांसा देने वाला गिरफ्तार एसटीएफ ने दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक कराने का झांसा देकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर फर्जी चैनल बनाकर अभ्यर्थियों से रुपए वसूल रहा था। एसटीएफ ने मामले में बिहार के पटना से आरोपी को हिरासत में लिया।

एसटीएफ के अनुसार, अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित यूपी सीनेट (UP CNET) एग्जाम का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा करते हुए टेलीग्राम पर ₹UP CNET OUT QUESTION PRIVATE CHANNEL₹ नाम से फर्जी चैनल संचालित किए जा रहे थे। इन चैनलों के माध्यम से परीक्षार्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका देने का लालच देकर प्रति अभ्यर्थी दो हजार रुपए वसूले जा रहे थे। मामले की शिकायत पर परीक्षा नियंत्रक की तरफ से सुशांत गोल्फ सिटी थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जांच के दौरान एसटीएफ को पता चला कि आरोपी वेस्ट पंडरक पटना बिहार निवासी ओम कुमार पुत्र सागर टेलीग्राम चैनलों के जरिए क्यूआर कोड भेजकर अभ्यर्थियों से अपने खातों में रकम जमा करवा रहा था। इसके बाद एसटीएफ टीम उसे पटना के पंडाराक क्षेत्र से हिरासत में लेकर लखनऊ लाई।

■ लखनऊ में यूपी सीएनईटी का पेपर बेचने के नाम पर ऐंठ रहा था रुपए

फास्ट न्यूज

केजीएमयू में 6 लावारिस मजारें शिफ्ट की जाएंगी

लखनऊ। लखनऊ में KGMU परिसर की 6 मजारों को लावारिस घोषित करने के बाद अब इन्हें शिफ्ट किया जाएगा। KGMU प्रशासन का दावा है कि लीगल प्रक्रिया पूरी कर इन मजारों को लावारिस करार दे दिया गया है।

लिस और स्थानीय प्रशासन की तरफ से पर्याप्त सुरक्षा बल मुहैया होते ही इन लावारिस मजारों को उनकी वर्तमान जगह से निकालकर कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा।

लखनऊ में बाबर मुदस्सिर का लाइव कॉन्सर्ट

लखनऊ। कश्मीर के प्रसिद्ध गायक, रैपर और गीतकार बाबर मुदस्सिर ने आज दयाल गेटवे में करीब 2 घंटे तक लगातार लाइव परफॉर्मेंस दी। इस दौरान उन्होंने दो दर्जन से अधिक गाने गए। इनमें 'काली-काली जुल्फों के फंदे न डालो...', 'तू नहीं तो ये रुत ये हवा क्या करूं क्या करूं...' जैसे गानों की परफॉर्मेंस दी। बाबर के सभी गानों पर दर्शक जमकर झूमते रहे। इस दौरान उन्होंने लखनऊ शहर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस शहर में हमें जितनी मोहब्बत मिलती है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

वॉट्सएप पर भेजी जाती थीं किशोरियों की तस्वीरें

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज से किशोरियों को शादी के नाम पर राजस्थान में बेचने वाले अंतरराज्यीय मानव तस्करी गिरोह की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह गरीब परिवारों की लड़कियों की तस्वीरें वॉट्सएप के जरिए राजस्थान भेजता था, जहां उनकी बोली लगाई जाती थी।

प्रतीक यादव के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक

बेटी ने पियानो पर 'हैप्पी बर्थडे' की धुन बजाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक हो गईं। उन्होंने फेसबुक पर प्रतीक और अपनी छोटी बेटी पद्मजा के साथ तस्वीर शेयर की। लिखा- जैसा आप कहते थे, आप हमेशा जवान रहेंगे।

दरअसल, प्रतीक का 25 दिन पहले यानी 13 मई को लखनऊ में हार्टअटैक से निधन हो गया था। आज (7 जून) उनका जन्मदिन है। बड़ी बेटी प्रथमा ने पियानो पर 'हैप्पी बर्थडे' की धुन बजाकर पापा को याद किया। सफेद रंग का पियानो प्रतीक ने प्रथमा को गिफ्ट किया था।

इसके अलावा, अपर्णा ने प्रतीक यादव के लिए फेसबुक पर स्टोरी भी लगाई है। इसमें प्रतीक कार रेसिंग करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले, बेटी पद्मजा ने अपने हाथ पर पापा

प्रतीक को गले लगाए हुए टैटू बनवाया था। टैटू में प्रतीक, पद्मजा को बहुत ही प्यार से सीने से लगाए हुए हैं।

13 मई की सुबह प्रतीक का 38 साल की उम्र में निधन हो गया था। 14 मई को लखनऊ के बैकुंठ धाम श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी थी। 16 मई को हरिद्वार के VVIP घाट पर प्रतीक की अस्थियां विसर्जित की गईं। अपर्णा बेटियों के साथ चार्टर्ड प्लेन से उत्तराखंड गई थीं।

लखनऊ में लिफ्ट में फंसा युवक, कंपनी बोली- कल बचाएंगे

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित सरस्वती अपार्टमेंट की लिफ्ट में एक युवक फंस गया। मदद के लिए कंपनी को फोन किया गया तो जिम्मेदारों ने कहा- कल आएंगे। आज संडे की छुट्टी है। युवक फ्लैट ए-602 का आवंटी है। पीड़ित के अनुसार, लिफ्ट अटकी थी लेकिन न अलार्म बजा और न ही कोई गार्ड आया।

फ्लैट ए-602 में रहने वाले रणविजय सिंह रविवार सुबह अपने डॉगी को घुमाकर लौट रहे थे। ग्राउंड फ्लोर से छठी मंजिल पर जाने के दौरान लिफ्ट दूसरे और तीसरे फ्लोर के बीच फंस गई। रणविजय ने बताया कि लिफ्ट रुकने के बाद उन्होंने इमरजेंसी अलार्म बजाने की कोशिश की, लेकिन अलार्म काम नहीं किया। उस समय फ्लोर में कोई गार्ड भी मौजूद नहीं था। मदद नहीं मिलने पर उन्होंने लिफ्ट का दरवाजा पीटना शुरू किया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने अंदर से आवाज सुनी।

सपा प्रमुख बोले- तीन महीने में घरेलू गैस सिलेंडर 89 रुपये महंगा

गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों से जनता परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में महंगाई बेलगाम हो चुकी है और आम जनता लगातार आर्थिक संकट का सामना कर रही है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में हालिया 29 रुपये की बढ़ोतरी को उन्होंने जनता पर महंगाई का एक और बोझ बताया।

अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कुल 89 रुपये की वृद्धि हो चुकी है, जबकि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम भी एक हजार रुपये से अधिक बढ़ गए

हैं। इसके साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। परिवहन से लेकर रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं तक सब कुछ महंगा हो गया है। अखिलेश यादव ने प्रदेश और केंद्र सरकार दोनों को निशाने पर लेते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार जनता को दोनों हाथों से लूटने का काम कर रही है। एक ओर प्रदेश सरकार बिजली की दरों में बढ़ोतरी कर रही है और स्मार्ट मीटर के जरिए लोगों के बिल बढ़ाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ाकर लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है।

सपा प्रमुख ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती जीवन-यापन लागत ने आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने सरकार से जनता को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में आम आदमी के लिए घर का बजट संभालना लगातार कठिन होता जा रहा है।

गरीबों और मध्यम वर्ग की चिंता नहीं कर रही भाजपा

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को गरीबों, मध्यम वर्ग और आम जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल अपने पूंजीपति मित्रों के हितों की रक्षा करने और उनके मुनाफे बढ़ाने में लगी हुई है। भाजपा की नीतियां गरीब विरोधी और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई कम करने के भाजपा के बड़े-बड़े वादे अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं और समाज के हर वर्ग का सरकार से भरोसा उठता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच लोगों की आय में कोई वृद्धि नहीं हो रही है। बेरोजगारी चरम पर है, व्यापार और कारोबार प्रभावित हैं तथा किसानों की खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं दिख रही है।

ए. के. शर्मा के सतत प्रयासों से मऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग 128-बी के चौड़ीकरण को मिली स्वीकृति

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में तेजी लाए जाने पर जोर

■ 55.57 किमी फोरलेन परियोजना से मऊ बलिया सहित पूरे क्षेत्र को मिलेगा बड़ा लाभ

■ स्वीकृति के बाद राजमार्ग के त्वरित निर्माण के लिए मंत्री ए के शर्मा ने एनएचएआई को लिखा पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा के निरंतर प्रयासों और प्रभावी पैरवी का परिणाम है कि पूर्वांचल की महत्वपूर्ण मऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 128-बी (55.57 किलोमीटर) के चौड़ीकरण एवं फोरलेन निर्माण परियोजना को

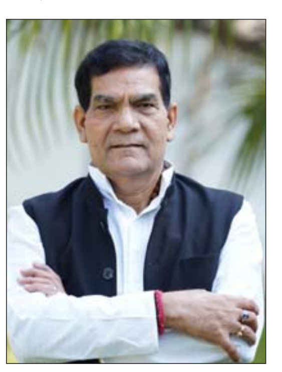

स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि पूर्वांचल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है। परियोजना के अंतर्गत कई रेलवे ओवरब्रिजों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे आवागमन में आने वाली बाधाएं दूर होंगी और लोगों को निर्बाध परिवहन सुविधा प्राप्त होगी। इससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी तथा क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।मंत्री श्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद मऊ, बलिया एवं आसपास के जनपदों में आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी तथा पूर्वांचल के विकास को एक नई दिशा प्राप्त होगी।

पूर्वांचल के विकास का नया अध्याय, मऊ बलिया फोरलेन बनेगा पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था का नया ग्रोथ कॉरिडोर: मंत्री श्री ए के शर्मा

टेंडर प्रक्रिया एवं निर्माण कार्य को तत्काल प्रारंभ कराने का अनुरोध

मंत्री शर्मा ने इस परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष को पत्र लिखकर टेंडर प्रक्रिया एवं निर्माण कार्य को तत्काल प्रारंभ कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस संबंध में पूर्व में भी लगातार पत्राचार एवं उच्चस्तरीय वार्ताएं की जाती रही हैं तथा क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस महत्वपूर्ण परियोजना की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि मऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह पूर्वांचल के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास का मजबूत आधार बनेगी। इस मार्ग के फोरलेन बनने से यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी, यात्रा समय में कमी आएगी तथा सड़क सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

राजनाथ सिंह से बुद्धेश्वर में जाम की शिकायत

प्रतिनिधिमंडल ने राजनाथ सिंह को ज्ञापन में गिनाईं समस्याएं

लोग बोले- पारा, राजाजीपुरम में अतिक्रमण, आलमनगर स्टेशन का नाम बदला जाए

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह से बुद्धेश्वर इलाके में लगने वाले जाम की शिकायत की गई है। बुद्धेश्वर विकास महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को सांसद से मुलाकात कर उन्हें पारा, राजाजीपुरम और आसपास के मार्गों के किनारे स्थायी अतिक्रमण का भी मुद्दा उठाया।

लोगों ने आलमनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर "बुद्धेश्वर स्टेशन" और हैदरगंज वार्ड का नाम बदलकर "बुद्धेश्वर वार्ड" किए जाने की मांग भी रखी। महासभा के पदाधिकारियों ने इसे क्षेत्र की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा विषय बताया।

महासभा के संरक्षक अजय त्रिपाठी 'मुन्ना' के नेतृत्व में पहुंचे

प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा। इसमें अवगत कराया गया कि बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बुद्धेश्वर चौराहे के आसपास सड़क किनारे अतिक्रमण, अव्यवस्थित यातायात और बढ़ते वाहनों के दबाव के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस जाम से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, छात्रों, कर्मचारियों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है, जिससे उनका आवागमन प्रभावित होता है।

ज्ञापन में आलमनगर रेलवे ओवरब्रिज से उतरने के बाद पारा, राजाजीपुरम और आसपास के क्षेत्रों की ओर जाने वाले मार्ग पर दोनों तरफ हुए स्थायी अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। महासभा का कहना है कि सड़क संकरी होने और अतिक्रमण बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में पूरे दिन वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं।

महासभा के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि रक्षा मंत्री और सांसद राजनाथ सिंह ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित करने का आश्वासन दिया है।

वारदात : सिलेंडर से सिर फोड़ा, टांग पकड़कर सड़क पर फेंका, बोला- जिसे जो करना हो कर लो

बड़े भाई ने छोटे भाई को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। मां-बाप से मारपीट का विरोध करने पर घरेलू गैस सिलेंडर से उसके सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किए। खून से लथपथ छोटे भाई को टांग पकड़कर घसीटते हुए सड़क पर फेंक दिया। चिल्लाते हुए बोला- इसे मार डाला, जिसे जो करना हो कर ले। मौके पर पहुंचे चाचा और आसपास के लोग छोटे भाई को ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार दोपहर करीब 3 बजे जानकीपुरम विस्तार सेक्टर-3 में हुई। मृतक आर्यन मिश्र (21) बीज भंडार में काम करता था। पुलिस ने आरोपी बड़े भाई अभिषेक मिश्रा (24) को हिरासत में ले

लिया है। पड़ोस में रहने वाले शिवपूजन मिश्र ने बताया- सुबह के समय झगड़े के बाद रामानंद अपनी पत्नी के साथ चले गए। इसके बाद भी दोनों भाइयों के बीच झगड़ा चलता रहा। सड़क पर काफी मारपीट हुई, तो पड़ोस में रहने वाले किराएदार और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को हटा दिया। अभिषेक को घर के अंदर भेज दिया, जबकि आर्यन को घर से सटे दूसरे मकान के अंदर कर दिया। इस दौरान छत के रास्ते आर्यन फिर अभिषेक के पास चला गया, जहां दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि आर्यन का सिर फट गया था। वह खून से लथपथ होकर घर में ही तड़प रहा था। इस दौरान घर से लेकर बाहर सड़क तक खून फैल गया।

पिता बोले- नशे की हालत में अक्सर मारपीट करता था

आर्यन के पिता रामानंद मिश्रा पेंटिंग का ठेका लेकर काम कराते हैं। उन्होंने बताया- छोटा बेटा आर्यन डालीगंज स्थित बीज भंडार में दवा सप्लाई का काम करता था। बड़ा बेटा अभिषेक कुछ नहीं करता है।अभिषेक नशा करने के बाद अक्सर सबसे मारपीट करता था। रविवार सुबह उसने पहले मुझसे मारपीट की। हम किसी तरह उससे बचकर छत पर भाग गए। इसके बाद तैयार होकर दुकान का सामान लेने के लिए पत्नी के साथ यहियागंज जाने लगे।

इस दौरान अभिषेक ने अपनी मां मंजू मिश्रा की पिटाई शुरू कर दी। सड़क पर ही उनको लात मारने लगा। मोहल्लेवालों ने बीच-बचाव कराया। छोटे बेटे आर्यन ने इसका विरोध किया, तो अभिषेक ने उसके साथ गाली-गलौज की। उसके बाद उसके सिर पर सिलेंडर से वार कर दिए।

अभिषेक के सिर पर खून सवार था

अभिषेक ने उसके सिर पर सिलेंडर से वार कर दिए, जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। इससे भी अभिषेक का मन नहीं भरा तो उसकी टांग पकड़ कर खींचते हुए सड़क पर ले आया। फिर मोहल्लेवालों से कहने लगा इसको मार दिया। अब जिसको जो करना है कर लो। इस पर आर्यन को गंभीर हालत में चाचा परमानंद ने मोहल्लेवालों की मदद से ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नशे की हालत में नहर में गिरे व्यक्ति को बचाया

दुबग्गा। पारा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक व्यक्ति नशे की हालत में थाने के सामने स्थित नहर में गिर पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में से एक सिपाही रस्सी लेकर उसे बचाने कूद गया। सिपाही ने 10 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद व्यक्ति को रस्सी से बांध दिया। इसके बाद दूसरे सिपाहियों ने उसे सुरक्षित बाहर खींच लिया। इस बचाव अभियान में एक पुलिसकर्मी आंशिक रूप से घायल भी हो गया। जानकारी के अनुसार, देर रात एक युवक नहर के पास पहुंचा और नशे की हालत में अचानक नहर में गिर। युवक को नहर में गिरते देख आसपास मौजूद लोग चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही पारा थाने पर तैनात आरक्षी उदय भान और मनोज तुरंत मौके पर पहुंचे। उसी समय जोनल चेकिंग कर रहे उप निरीक्षक रविशंकर मौर्य और पुलिसकर्मी राजेश गुप्ता भी वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने बिना देरी किए बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद युवक को नहर से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

नगर निगम अफसरों की लापरवाही से गई लालाराम की जान : सफाईकर्मी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में अंडरग्राउंड नाले की सफाई के दौरान हुई कर्मचारी की मौत के मामले में नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। सफाई कर्मियों का आरोप है कि नालों की सफाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। सिर्फ कागजों में गुणवत्तापरख काम कर रहे हैं। ग्राउंड पर कुछ नहीं हो रहा है।

नालों की सफाई के दौरान नगर निगम की तरफ सुरक्षा मानकों को लेकर मॉनिटरिंग नहीं की जाती है। सबकुछ ठेकेदार के भरोसे छोड़ दिया जाता है। लालाराम को भी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अंडरग्राउंड नाले में उतारा गया था। उसकी मौत के बाद भी शहर में बिना सुरक्षा उपकरण के नालों की सफाई कराई जा रही है।

स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के अनुसार, मैनहोल या सीवर की सफाई से पहले मानक प्रक्रिया के तहत परीक्षण टेस्टिंग की तैयारी के लिए

■ सफाईकर्मी बोले- लखनऊ में ठेकेदार ने बिना सुरक्षा किट के मैनहोल में उतारा

कम से कम तीन मैनहोल के ढक्कन खोले जाते हैं। इसके बाद लाइन में ताजी ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए एक सक्शन पंप का उपयोग किया जाता है।

इसके बाद लाइन के अंदर प्रवेश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग करके ऑक्सीजन की रीडिंग ली जाती है। इसके साथ ही यातायात में व्यवधान कम हो इस लिए रात में काम को करने की सलाह है। हालांकि, यह काम व्यस्त चौराहे पर दोपहर के समय में किया गया।

हाईकोर्ट ने कहा- पुलिस की लचर व्यवस्था के चलते निर्दोष महिला जेल में रही

राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए काम करते अधिकारी : एचसी

तबादला

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की पीठ ने कहा प्रदेश में तबादला, पोस्टिंग और पदोन्नति की व्यवस्था लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित रही है। इसका सीधा असर पुलिस के कामकाज पर पड़ता है। कई बार अफसरों को उनकी योग्यता और क्षमता के बजाय राजनीतिक नजदीकियों के आधार पर महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जाता है।

कोर्ट ने कहा-अफसरों की वफादारी संविधान के प्रति नहीं, बल्कि सत्ताधारी व्यवस्था के प्रति होती है। फील्ड अफसर, जो ट्रांसफर-पोस्टिंग को अच्छी तरह समझते हैं, अपने व्यवहार को राजनीतिक आकाओं को खुश करने के हिसाब से ढालते हैं। इसका असर कामकाज पर पड़ता है। अदालत ने बिना पर्याप्त जांच के गिरफ्तारियां करने, चुनिंदा लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और गैंगस्टर एक्ट जैसे कठोर कानूनों के कथित दुरुपयोग पर भी चिंता जताई। यह टिप्पणी शुक्रवार को गाजियाबाद के एक जमीन विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की।

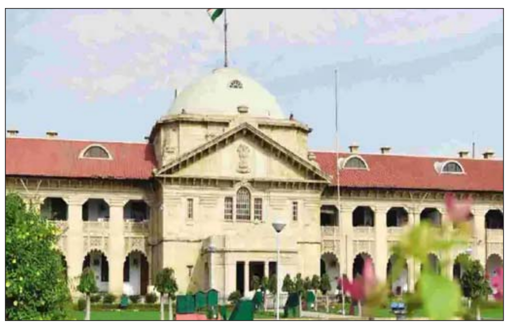

जमीन विवाद से शुरू हुआ मामला

मामला गाजियाबाद के राजेंद्र त्यागी और उनके परिवार से जुड़ा है। उनके खिलाफ पहले जमीन विवाद को लेकर धोखाधड़ी और जालसाजी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। बाद में पुलिस ने इस मामले में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी शुरू कर दी।

पुलिस ने दावा किया कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे हैं। इसी आधार पर गैंग चार्ट तैयार किया गया और परिवार के कई सदस्यों को आरोपी बनाया गया। इनमें ललिता त्यागी का नाम भी शामिल था।

पुलिस ने ललिता त्यागी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह करीब 80 दिन तक जेल में रहीं। बाद में उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई को चुनौती दी।

> अदालत ने जांच में पाया कि तत्कालीन गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने गैंग चार्ट को मंजूरी देते समय पर्याप्त सावधानी नहीं बरती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में अफसरों को स्वतंत्र रूप से तथ्यों की जांच कर निर्णय लेना चाहिए।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा।

गैंगस्टर एक्ट लगाने पर उठे सवाल

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूरे रिकॉर्ड की जांच की। अदालत को ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि ललिता त्यागी किसी संगठित आपराधिक गिरोह का हिस्सा थीं या उन्होंने लोगों को डराकर आर्थिक लाभ हासिल किया था।

कोर्ट ने कहा- एक सामान्य जमीन विवाद को गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर कानून के दायरे में लाने के लिए पर्याप्त आधार होना चाहिए। केवल आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को गैंगस्टर नहीं माना जा सकता। फैसले में अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में पहले से तय कानूनी प्रक्रिया और उच्च अदालतों के निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। बिना पूरी जांच और पर्याप्त आधार के किसी व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी चिंता जताई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर काशी टोल प्लाजा में वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्यूब हाईवे के काशी टोल प्लाजा परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्यूब हाईवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए क्यूब हाईवे के मैनेजर रुपेश कुमार, आईटी मैनेजर चंद्र प्रकाश सोनी, मेंटेनेंस मैनेजर आशीष शर्मा तथा टोल मैनेजर दिनेश कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध बनाते हैं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को सुदृढ़ करने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारियों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए, हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। साथ ही लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का संदेश भी दिया गया।

फास्ट न्यूज

हिस्ट्रीशीटर अनिल यादव ने फंदा लगाकर जान दी

वाराणसी। वाराणसी के लक्सा थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर हिस्ट्रीशीटर अनिल यादव उर्फ पट्टी ने रविवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने अपने ही घर में आत्मघाती कदम उठाया और फंदे से झूल गया। अनिल यादव के खिलाफ लक्सा थाने में हिस्ट्रीशीट खुल थी और वह 50 हजार का इनाम भी घोषित हुआ था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 2 दर्जन से अधिक केस दर्ज थे।

कॉकरोच जनता पार्टी की मांग केंद्रीय मंत्री ने ठुकराई

वाराणसी। वाराणसी पहुंचे केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कॉक्रोच जनता पार्टी और कई संस्थाओं की ओर से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगे जाने पर बड़ी बात कही। उन्होंने पहले इस मांग को ठुकरा दिया। कहा धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा ये जो मांग की जा रही है, ये बेबुनियाद है। सरकार पेपर लीक करने वालों को खिलाफ सख्त प्रावधान करने जा रही है और जो भी लोग इस लीक में शामिल थे उन्हें सख्त सजा दी जाएगी।

प्रयागराज में चलती कार में लगी आग

करछना। प्रयागराज के नैनी क्षेत्र के एफसीआई इलाके में चाका स्थित मुंडीचक चौराहे के पास रविवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और चालक ने तुरंत कार रोककर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

श्रीमद्भागवत कथा में पाप-पुण्य और भक्ति का महत्व बताया

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। श्री दाऊजी कोल्ड स्टोरेज पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन भागवत प्रवक्ता कपिलदेवाचार्य ने श्रद्धालुओं को पाप-पुण्य और भक्ति का महत्व बताया। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य द्वारा किए गए पाप और पुण्य का फल उसे इसी जीवन में प्राप्त होता है। व्यक्ति अपने कर्मों के माध्यम से ही सुख और दुख का अनुभव करता है। उन्होंने कहा कि संसार में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य जीवन की तीन महत्वपूर्ण त्रिवेणी हैं, जिनसे सीख लेकर मनुष्य को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने राजा परीक्षित का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जिस प्रकार उन्हें सात दिन में मृत्यु लोक जाने का श्राप मिला था, उसी प्रकार मनुष्य के कर्मों का हिसाब भी परमात्मा द्वारा इसी युग में किया जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की भक्ति ही मनुष्य को पापों से मुक्ति दिलाने का सबसे बड़ा माध्यम है। इस अवसर पर परीक्षित यतेंद्र पांडेय, रंजना शर्मा, श्री राधा कृष्ण सेवा मंडल के अध्यक्ष राकेश गोयल, अनीता गोयल,तुषार गोयल,नारायण गोयल, सुजीत वर्मा, जगदीश पाठक,शिव कुमार,दीपक सोनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आगरा में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- भाजपा 2 गुटों में बंटी गाय का सम्मान नहीं करती

मुगलों और अंग्रेजों ने भी शंकराचार्यों का अपमान नहीं किया : अविमुक्तेश्वरानंद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा-शंकराचार्यों का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर उनका अपमान कर रहा है। शंकराचार्यों का ऐसा अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। भाजपा में भी अब दो भाजपा हो गई है। एक भाजपा गाय से प्रेम करती है, जबकि दूसरी गाय को माता कहने के लिए भी तैयार नहीं है। एक भाजपा संतों का सम्मान करती है, तो दूसरी संतों का अपमान करती है। हम अच्छी भाजपा को स्वीकार करते हैं और गलत भाजपा का विरोध करते हैं।

दरअसल, रविवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गविष्टि यात्रा आगरा पहुंची। यह यात्रा गो-संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही है। राजपुर चुंगी स्थित परशुराम मंदिर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे लोगों को सत्ता में पहुंचाएं, जो गाय को माता का दर्जा दें।

उन्होंने कहा- सभी लोग शंकराचार्यों का सम्मान करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर शंकराचार्यों का अपमान कर रहा है। शंकराचार्यों का ऐसा अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। यही वह व्यक्ति है, जिसने यह अपराध किया है।

शंकराचार्य बोले- मेरी परीक्षा में एकनाथ शिंदे ही पास हुए हैं

उन्होंने कहा- देश के सभी नेताओं की परीक्षा होनी है। सबसे पहले वे औपचारिक रूप से गाय को माता कहकर पुकारें। जो सरकार में हैं, वे सरकारी स्तर पर गाय को माता घोषित करके दिखाएं। जो सरकार में नहीं हैं, वे अपनी पार्टी में प्रस्ताव पारित कर शपथपत्र जारी करें और गाय को माता कहकर दिखाएं।

हर पार्टी और हर नेता के लिए यही परीक्षा है। जो इस परीक्षा में सफल होगा, उसका नाम हम बताएंगे। अभी तक इस परीक्षा में केवल एक ही नाम पास हुआ है, और वह है महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का। उन्होंने आगे बढ़कर गाय को माता कहा। उनके अलावा अब तक कोई दूसरा नाम हमारे सामने नहीं आया है।

हम कंधा बदलने के लिए नहीं आए हैं

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- हम एक सरकार को हटाकर दूसरी सरकार बनाने की बात नहीं कर रहे हैं। हम केवल कंधा बदलने के लिए नहीं आए हैं। हम यह नहीं कह रहे कि पहले नागनाथ थे, अब सांपनाथ को ले आइए। हालांकि, यह संभव है कि स्थापित राजनीतिक दलों में कुछ लोगों का जमीर जाग जाए।

आजादी के 78 साल बाद भी यह वादा पूरा नहीं हो सका। हमारे साथ छल किया गया है। यदि 78 साल पुराना वादा याद नहीं है, तो अपनी-अपनी पीढ़ी की सरकारों को ही देख लीजिए। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को ही देख लीजिए। क्या इन्होंने वादे नहीं किए थे? उन वादों का क्या हुआ? गौमाता की पीड़ा को समझने में वे असफल रहे। यदि यह धोखा नहीं है, तो फिर क्या है? मैं लोगों को इसी जालसाजी और ढोंग से सावधान करने आया हूं।

सैफई परिवार को पार्टी के तौर पर आशीर्वाद नहीं दिया

शंकराचार्य ने कहा- हम पूरे उत्तर प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। हम सैफई भी गए थे। वहां हमारा स्वागत-सत्कार हुआ और हमने उन्हें आशीर्वाद भी दिया। हमने वहीं स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें हमारा भरपूर आशीर्वाद है, लेकिन वह व्यक्तिगत स्तर पर है। पार्टी के स्तर पर आशीर्वाद तभी होगा, जब उनकी पार्टी गाय को माता मानने का प्रस्ताव पारित करेगी।

अलीगढ़ में दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने वारदात की, बेटी चिल्लाती रही

चलती बुलेट से बेटी के सामने मां को गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में दिनदहाड़े चलती बुलेट पर सवार बदमाशों ने महिला को गोली मार दी। महिला बेटी साथ सड़क पर जा रही थी, तभी पीछे से आए दो नकाबपोश बदमाश आए। इनमें पीछे बैठे बदमाश ने महिला की कमर में गोली मार दी। यह देखकर बेटी चिल्लाने लगी, लेकिन तब तक हमवार फरार हो गए। घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है। इसमें महिला गोली लगने के बाद सड़क पर मुंह के बल गिरती हुई दिख रही है। परिवार वालों का कहना है कि पुरानी रंजिश के चलते हमला किया गया। पुलिस CCTV के जरिए बदमाशों की पहचान में जुटी है। घटना थाना रोरावर क्षेत्र के नीवरी मोड़ की है।

रानी (45) अपने घर से कारखाने पर काम पर जा रही थी। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया और गोली मारकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायल रानी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि यह हमला पुरानी दुश्मनी का नतीजा है। रानी के बेटे रेहान ने बताया- परिवार की कुछ लोगों से करीब डेढ़ साल से रंजिश चली आ रही है। पूर्व में चोरी के विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने परिवार को गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। अब उसी विवाद को हमले की वजह माना जा रहा है।

बेटी ने बताया- मां की कमर में गोली लगी

प्रत्यक्षदर्शी बेटी रिहाना ने बताया- मां खाना खाकर कारखाने जाने के लिए सड़क पार कर रही थीं। तभी सफेद शर्ट पहने और चेहरे पर कपड़ा बांधे दो युवक बुलेट मोटरसाइकिल पर आए। उन्होंने मां को गोली मारी और मौके से फरार हो गए। गोली मां की कमर में लगी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ीं।

घायल महिला को पहले मलखान सिंह जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां ईएमओ डॉ. हुसैन खान ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, महिला को फायरआर्म इंजरी हुई है। उनका इलाज जारी है।

काले रंग के कपड़े पहने एक व्यक्ति गली में आता है, जिसके हाथ में कुछ सामान है। वह आगे बढ़कर कैमरे के सामने से निकल जाता है। तभी बुलेट सवार दो लोग आते हैं।

लाल रंग के कपड़ों में एक महिला तेजी से आगे बढ़ती है। बुलेट सवार एक युवक महिला को पीछे से गोली मार देता है। महिला गली के मोड़ के पास नीचे गिर जाती है। उसे गिरता देख आसपास के लोग तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़ते हैं।

73 साल की दादी को ठेले पर लिटाकर बैंक पहुंचा

कहा- पैर टूटा है मैनेजर बोला था, साथ लेकर आओ, तब पेंशन मिलेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद । फर्रुखाबाद में पोता अपनी 73 साल की दादी को ठेले पर लिटाकर बैंक पहुंचा। बुजुर्ग महिला ठेले पर छाता लेकर लेटी हुई थीं। बेटा ठेला खींच रहा था और पोता साथ-साथ चल रहा था।

पोते ने बताया- दादी को बैंक ले जा रहे हैं। इनका पैर टूटा है। बैंक मैनेजर ने कहा कि साथ लेकर आओ, अंगूठा लगाने के बाद ही पैसे निकलेंगे। घटना फतेहगढ़ इलाके की है। गुरुवार को पोता अपनी दादी को बैंक लेकर पहुंचा था। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया।

फतेहगढ़ मोहल्ले के हाथी खान में किशन प्यारी अपने बेटे संजीव पाल के साथ रहती हैं। संजीव पाल ठेले से ढुलाई का काम करते हैं। उनका बेटा मनु पाल सिंगर है। यूट्यूब पर अपने गानों के वीडियो अपलोड करता है। किशन प्यारी के पति बिजली विभाग में तैनात थे। 26 साल पहले उनकी मौत हो गई थी। तब से किशन प्यारी पेंशन ले रही हैं। एक सप्ताह पहले किशन प्यारी का पैर टूट गया था। वह चल-फिर नहीं सकतीं। शनिवार को एक

वीडियो सामने आया, जिसमें किशन प्यारी के बेटा और पोता उन्हें ठेले पर लादकर ले बैंक ले जा रहे हैं। किशन प्यारी टूटे हुए पैर के साथ ठेले पर छाता लगाए लेटी थीं। वो दर्द से कराह रही थीं। तेज धूप के चलते उनका गला सूख रहा था। बीच-बीच में उन्हें बोतल से पानी पिलाया जा रहा था। पोते मनु पाल ने बताया कि गुरुवार (4 जून) को वह बैंक गए थे। उन्होंने अपनी दादी की समस्या बताई। मनु पाल का आरोप है कि बैंककर्मियों ने उनकी बात को गलत तरीके से लिया। उनके साथ बदतमीजी की।

पृष्ठ 01 का शेष...

'राम मंदिर से करोड़ों ...

सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पांडेय सपा सरकार में वन और मनोरंजन कर राज्य मंत्री रहे हैं। बातचीत में उनका दावा है कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी 5 से 7.50 करोड़ तक हो सकती है। अगर चोरी नहीं हुई है तो ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय सामने आएं और प्रभु श्रीराम की कसम खाकर कहें कि सबकुछ झूठ है। अगर बात सच है तो एफआईआर करवाएं।

उन्होंने कहा, अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये चोरी कितने समय से हो रही थी। ट्रस्ट के किन-किन सदस्यों तक ये पैसा गया है, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार ने 5 फरवरी 2020 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी। केंद्र सरकार ने ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ वकील केशव पराशरण सहित कुल 15 सदस्यों की नियुक्ति की थी।

इसी दिन शाम को श्रीराम जन्मभूमि के अधिग्रहित क्षेत्र के तत्कालीन रिसीवर और मंडलायुक्त मनोज कुमार मिश्र ने बैंक खातों सहित समस्त प्रभार ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य और अयोध्या नरेश विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र को सौंप दिया था।

हालांकि, ट्रस्ट की पहली औपचारिक बैठक 20 फरवरी 2020 को हुई थी, जिसमें मणिराम छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास को ट्रस्ट का अध्यक्ष और विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय को महासचिव चुना गया।

12 राज्यों में पहुंचा...

एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50kmph की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। 4 दिन के अंदर इसने 7 राज्यों को कवर कर लिया है। शनिवार को मानसून ने आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर में एंट्री ली। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में पहुंचा था। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था।

IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इसके कारण दिसंबर तक समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 3C तक बढ़ सकता है। यदि यह सही रहा तो इस साल का अल नीनो दुनियाभर में तापमान को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा।

कुछ अनुमान तापमान में 4C तक की बढ़ोतरी दिखा रहे हैं, जिसे बड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

भारत की राजनीति...

यह Gen Z का आंदोलन है। हमने किसी राजनीतिक दल के नेताओं से बात नहीं की है। कोई समर्थन देना चाहता है तो बाहर से दे सकता है, लेकिन हम किसी पार्टी से नहीं जुड़ेंगे।

CJP की तुलना पड़ोसी देशों में हुए आंदोलनों से नहीं की जानी चाहिए। जंतर-मंतर का प्रदर्शन बहुत शांतिपूर्ण था। इसमें देशभर से युवा शामिल हुए थे।

जब तक हम आवाज नहीं उठाएंगे तब तक परिवर्तन नहीं हो सकता। धर्मेंद्र प्रधान ने पूरी पीढ़ी के साथ अन्याय किया है। वे अगर इस्तीफा नहीं देते, तो 13 जून को फिर प्रदर्शन होगा।

शनिवार को प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर लोगों ने पहले कभी किसी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन हमारी मौजूदगी से उन्हें शिक्षा प्रणाली पर अपना गुस्सा और हताशा व्यक्त करने का साहस मिला।

तेज गर्मी-धूप में खड़े छोटे बच्चे और छात्रों ने साबित किया कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मैं आपमें से हर एक को धन्यवाद देता हूं।

फॉलोअर्स को वोटर्स में बदलना: जंतर-मंतर की कम भीड़ ने साबित किया कि पार्टी को अभी सोशल मीडिया से निकलकर जमीनी स्तर पर ब्लॉक और जिला कमेटियां बनानी होंगी। पार्टी के पास पॉलिटिक्स का अनुभव नहीं है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की ताकत तो है, लेकिन सवाल है कि अगर वे चुनाव में उतरते हैं तो क्या इसे वोट बैंक में बदल पाएंगे।

अन्ना आंदोलन जैसा मददगार कैडर नहीं: 2011 के अन्ना आंदोलन की कामयाबी के पीछे अलग-अलग संगठनों का समर्थन था। कॉकरोच जनता पार्टी के पास कैडर नहीं है। उसका पूरा आधार क्लिक एक्टिविज्म पर टिका है। इंस्टाग्राम पर 2.2 करोड़ फॉलोअर्स होना डिजिटल उपलब्धि तो है, लेकिन इस वर्चुअल कैडर के पास न लीडर हैं और न ही बूथ मैनेजमेंट की कोई समझ।

सिंगल पॉइंट एजेंडा नहीं: कामयाब राजनीतिक या सामाजिक आंदोलन की पहली शर्त सिंगल पॉइंट एजेंडा है। अन्ना आंदोलन का एक साफ मकसद था- लोकपाल बिल। इससे लोग जुड़ गए। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में आए लोगों में कोई मणिपुर की बात कर रहा था, कोई टैक्स और पानी के संकट की, तो कोई करप्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर की। पार्टी को स्पष्ट राष्ट्रीय नीति और एजेंडा सामने रखना होगा।

CJP का जन्म चीफ जस्टिस सूर्यकांत के युवाओं पर दिए एक बयान के बाद हुआ। दरअसल CJI सूर्यकांत ने 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कहा था। उन्होंने कहा- कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।

इंडी गठबंधन बैठक ...

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह लोगों के वोट के अधिकार को कमजोर कर रही है। संविधान पर लगातार हमला कर रही है। विपक्षी नेताओं पर जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है और विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है। इन मुद्दों पर विपक्षी दल साझा रणनीति बना सकते हैं। भाजपा ने INDI गठबंधन की बैठक को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि गठबंधन के पास न कोई मिशन है, न विजन, सिर्फ कन्फ्यूजन है।

बंगाल में टीएमसी ...

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, हावड़ा के अमरदाह गांव में ग्रामीणों ने TMC नेता सन्यासी मन्ना का सिर मुंडवाकर उन्हें जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। ग्रामीणों का आरोप है कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूलता था।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मन्ना को भीड़ से छुड़ाया। पुलिस ने कहा कि आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल उनके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

कोलकाता में गिरफ्तार TMC पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके। पाटुली थाने के बाहर भी उनके खिलाफ प्रदर्शन हुआ। कोलकाता नगर निगम के वार्ड-101 के पार्षद दासगुप्ता को शनिवार को उनके सहयोगी सौरव घोष के साथ गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर रंगदारी, धमकी, जबरन घुसपैठ और आग लगाने की कोशिश समेत कई आरोप हैं। स्थानीय वकील परमिता डे ने शिकायत में आरोप लगाया है कि दासगुप्ता ने घर में लीगल चैंबर खोलने के लिए 20 लाख रुपए मांगे थे। बंगाल में पिछले हफ्ते कई जगह नेताओं के कट मनी वापस करने के वीडियो सामने आए थे। BJP आईटी सेल अध्यक्ष अमित मालवीय ने X पर वीडियो शेयर कर लिखा था- दक्षिण 24 परगना के नामखाना में स्थानीय TMC नेता को लोगों को पैसे लौटाते हुए देखा गया।

अब तक की दूसरी सबसे युवा चैंपियन, फाइनल में च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से हराया

19 साल की एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन जीता

मुकाबला

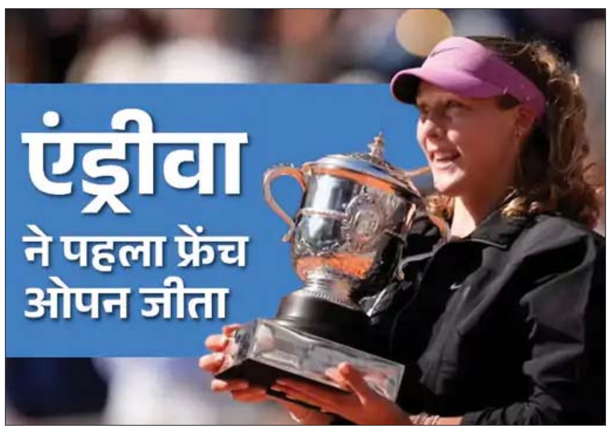

पेरिस, एजेंसी

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीत लिया है। शनिवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स फाइनल में उन्होंने पोलैंड की माया च्वालिंस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटे 22 मिनट तक चला। एंड्रीवा फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले 1992 में 18 साल की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल की और लगातार 6 गेम जीतते हुए च्वालिंस्का को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने 6-2 से सेट और मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

खिताब जीतने के बाद एंड्रीवा भावुक दिखीं। उन्होंने अपनी टीम और परिवार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह उनके बचपन का सपना था और रोलां गैरो जीतना उनके लिए बेहद खास पल है।

> इस जीत के साथ एंड्रीवा 2020 में इगा स्वियातेक के बाद फ्रेंच ओपन महिला एकल जीतने वाली टीनएज खिलाड़ी बन गईं। वह 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन में सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन भी हैं।

फाइनल में हार के बावजूद च्वालिंस्का का अभियान यादगार रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद पोलिश खिलाड़ी क्वालिफायर के रूप में टूर्नामेंट में उतरी थीं और लगातार नौ जीत दर्ज कर फाइनल तक पहुंची थीं। उन्होंने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को भी हराकर बाहर किया था।

मैच के बाद च्वालिंस्का ने एंड्रीवा की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनसे बेहतर खिलाड़ी साबित हुईं। एंड्रीवा ने कोच कोंचिता मार्टिनेज और अपने परिवार के साथ जीत का जश्न मनाया।

एंड्रीवा मां राइसा, परिवार और फैमिली डॉग के पास पहुंची और जश्न मनाया।

करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब

रूस की एंड्रीवा का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वे पूरे मुकाबले में च्वालिंस्का पर हावी रहीं। पहले सेट में स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

न्यू चंडीगढ़ टेस्ट, शुभमन गिल आउट- फैंस मायूस

सेंचुरी के बाद बड़ी पारी की उम्मीद थी

चंडीगढ़, एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ के स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान टेस्ट मैच का दूसरा दिन है। यहां ज्यादातर फैंस लोकल बॉय शुभमन गिल को देखने के लिए पहुंचे। हालांकि कल के 103 रन से आगे खेलने उतरे गिल 23 रन और बनाकर 126 पर आउट हो गए। इससे फैंस के बीच मायूसी नजर आई। वहीं संडे की वजह से आज मैच में कल, शनिवार के मुकाबले ज्यादा फैंस नजर आए। इस स्टेडियम में यह पहला ही टेस्ट मैच है। दर्शकों को गर्मी में दिक्कत न आए, इसलिए स्टेडियम के हर गेट पर ठंडे पानी से भरे वाटर कैंपर रखे गए हैं। गर्मी में दर्शकों को दिक्कत न आए। इसके लिए पीसीए की तरफ से हर गेट पर वाटर कैंपर का इंतजाम किया गया है। न्यू चंडीगढ़ के इस स्टेडियम पर यह पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। यह देश का 31वां टेस्ट क्रिकेट मैदान है, जबकि पंजाब में यह तीसरा ऐसा क्रिकेट मैदान है जहां टेस्ट मैच खेले जा रहे हैं। इससे पहले मोहाली के आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम और जालंधर के गांधी स्टेडियम में भी टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। पहले दिन के मैच के दौरान कई खिलाड़ियों के परिवार भी स्टेडियम में देखे गए। इसमें शुभमन गिल की माता कीरत गिल और पिता लखविंदर सिंह पहुंचे हुए थे। इसके अलावा गुरनूर का परिवार भी मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचा था।

वेस्टइंडीज-श्रीलंका दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

टॉस के बाद एक भी बॉल नहीं डली, सीरीज 1-1 की बराबरी पर आई

किंग्स्टन, एजेंसी

श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे का दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। किंग्स्टन के सबीना पार्क स्टेडियम में शनिवार रात को टॉस के बाद एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। काफी देर इंतजार के बाद अंपायर्स ने मैच रद्द कर दिया।

बारिश के कारण टॉस निर्धारित समय से 30 मिनट देरी से हुआ था। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन इसके बाद खेल नहीं हो सका।

पहला वनडे हार चुकी वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था। मैच रद्द होने के साथ ही उसकी सीरीज जीतने की संभावना समाप्त हो गई। मेजबान टीम सोमवार को तीसरा और अंतिम वनडे जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर सकती है। वेस्टइंडीज के लिए आखिरी मैच वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिहाज से भी अहम होगा। वनडे रैंकिंग में सुधार टीम की वर्ल्ड कप राह आसान कर सकता है।

इस बीच कप्तान शाई होप ने अपने करियर का 150वां वनडे खेलने की उपलब्धि हासिल की।

महिला टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया, रिकॉर्ड छठा टाइटल जीता

भारत सात साल के बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन बना

> फाइनल के बाद भारतीय खेमे में जश्न का माहौल रहा। अनुभवी खिलाड़ी डांगमेई ग्रेस ने इसी मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2013 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 95 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद अपने करियर का अंत एक और सैफ खिताब के साथ किया।

शानदार

मडगांव (गोवा), एजेंसी

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। उसने शनिवार रात फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराया। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार यह टूर्नामेंट जीता है।

गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के लिए प्यारी जाख्सा, सनफिदा नोंगरुम और लिंडा कोम सेर्तो ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश के लिए रितु पोर्ना ने इकलौता गोल किया।

भारत की ओर से प्यारी जाख्सा ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में रितु पोर्ना चकमा ने गोल कर बांग्लादेश को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में सनफिदा नोंगरुम ने शानदार हेडर लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में लिंडा कोम सेर्तो ने बांग्लादेशी डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर तीसरा गोल दागा और भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम

मेजबान भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। टीम ने सभी चार मुकाबले जीते, 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया। मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की लगातार तीसरी बार खिताब जीतने की उम्मीद भी टूट गई।

अवॉर्ड्सः अवेका सिंह टॉप स्कोरर रहीं

टूर्नामेंट के अवॉर्ड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अवेका सिंह चार गोल के साथ शीर्ष स्कोरर रहीं। सनफिदा नोंगरुम को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया और पंथोई चानू एलांगबाम को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार मिला। नेपाल को फेयर प्ले अवॉर्ड दिया गया।

मनोरंजन

मलयालम एक्टर सलीम कुमार का कार्डियक अरेस्ट से निधन

कोच्चि, एजेंसी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मलयालम एक्टर सलीम कुमार का 56 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण शनिवार रात निधन हो गया। वह अस्वस्थ होने के बाद कोच्चि (केरलम) के अमृता अस्पताल में भर्ती कराए गए थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने 'आदामिन्टे मकन अबू', 'पुलिवाल कल्याणम', 'अचनुरंगथा वीडु', 'मीसा माधवन' और 'मायावी' जैसी कई मलयालम फिल्मों में काम किया था। रविवार को पारावुर टाउन हॉल में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। दोपहर 3 बजे एर्नाकुलम के नॉर्थ परवुर स्थित उनके आवास पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

केरलम सरकार ने उनके निधन पर दुख जताया। सरकार ने अंतिम संस्कार और उससे जुड़े सभी खर्च वहन करने का फैसला किया।

> राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था तमिल-ओडिया समेत 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया

सलीम कुमार मलयालम सिनेमा के फेमस एक्टर थे। उन्होंने तीन दशक से अधिक लंबे करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्होंने मुख्य रूप से मलयालम फिल्मों में एक्ट किया। साथ ही कुछ तमिल (मरयां) और ओडिया (ऊंगा) फिल्मों में भी नजर आए।

हिंदी सिनेमा में ऐसे कई विलेन हुए हैं जिन्होंने इतनी शानदार एक्टिंग की कि दर्शकों को भी उनसे नफरत हो जाती थी

बॉलीवुड के खूंखार विलेन की मौत के 10 साल बाद रिलीज हुई थी आखिरी फिल्म

नई दिल्ली, एजेंसी

जब भी हिंदी सिनेमा के बारे में बातचीत होती है ज्यादातर हीरो के बारे में ही होती है। किसी भी फिल्म को उसके लीड हीरो के नाम से ज्यादा जाना जाता है और याद भी रखा जाता है। लेकिन हम ये भूल जाते हैं कि विलेन का भी फिल्म में उतना ही रोल होता है बल्कि विलेन ही हीरो की वैल्यू को बढ़ाता है।

जैक गॉड की आखिरी फिल्म खुदा कसम (Khuda Kasam) थी। जिसमें सनी देओल (Sunny Deol) ने लीड रोल प्ले किया था। इस फिल्म में जैक ने गुंडे का किरदार निभाया था। हालांकि यह फिल्म उनके जीते जी रिलीज नहीं हो पाई और 42 की उम्र में उनकी मौत के 10 साल बाद यह रिलीज हुई। इस फिल्म की शूटिंग 1997 और 2004 के बीच हुई थी। प्रोडक्शन में कई बार देरी और टाइटल बदलने के बाद, फिल्म आखिरकार 26 नवंबर 2010 को रिलीज हुई।

जैक ने 42 साल की उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन अपने इस छोटे करियर में भी उन्होंने कई दमदार किरदार निभाए और बॉलीवुड का जाना पहचाना चेहरा बन गए।

> हिंदी सिनेमा में ऐसे कई विलेन हुए हैं जिन्होंने इतनी शानदार एक्टिंग की कि दर्शकों को भी उनसे नफरत हो जाती थी। एक ऐसे ही विलेन थे जैक गॉड, जो बॉलीवुड में आए तो हीरो बनने के लिए थे लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर ही था।

विलेन बनकर पर्दे पर छाए

भारतीय नौसेना के पूर्व नाविक और बॉडीबिल्डर जैक गौड ने बॉलीवुड में मुख्य हीरो बनने की चाहत के साथ एंट्री की थी, लेकिन अपनी दमदार बॉडी की वजह से उन्हें विलेन और गुंडे के रोल ही मिलते रहे। हालांकि, 'करण अर्जुन' (Karan Arjun) और 'वास्तव' जैसी फिल्मों में यादगार विलेन के रोल निभाकर उन्हें बड़ी कामयाबी मिली, लेकिन 1992 की एडवेंचर फिल्म 'जंगल का बेटा' में मुख्य हीरो का रोल निभाने का उनका सपना भी पूरा हुआ।

'मैं वहां लगभग मर ही गया था' जेल में रहे विक्रम भट्ट ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली। फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने हाल ही में कथित धोखाधड़ी के आरोप में उदयपुर जेल में बिताए 70 दिनों का अनुभव शेयर किया।

विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी पर 30 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में भट्ट ने कहा कि जेल में उनका समय बहुत मुश्किल था, लेकिन वहां उन्हें अपने साथी कैदियों से उम्मीद से ज्यादा सपोर्ट मिला।

उन्होंने बताया कि वह 60 से 80 कैदियों के साथ एक बैरक में रहते थे। उनके अनुसार, साथी कैदी उनका खास ध्यान रखते थे, उनके लिए खाना लाते थे और कपड़ों की देखभाल करते थे। भट्ट ने कहा कि कैदी उन्हें 'भीष्म पितामह' कहकर बुलाते थे और रात में उनसे डरावनी कहानियां सुनाने की मांग करते थे।

बॉक्स ऑफिस पर दृश्यम 3 का दबदबा, नई रिलीज से नहीं पड़ा कमाई पर असर

दृश्यम तीन का बाल भी बांका नहीं कर पाईं 3 नई रिलीज

नई दिल्ली। निर्देशक जीतू जोसेफ की मोस्ट पॉपुलर सस्पेंस थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम की तीसरी किस्त अपनी रिलीज के तीसरें वीकेंड में पहुंच गई है। अब तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करके दिखाया है और मोटी कमाई से मेकर्स की फायदा पहुंचाया है। इस बीच इस हफ्ते तीन नई और बड़ी फिल्मों की रिलीज की चुनौती को सुपरस्टार मोहनलाल की दृश्यम 3 बेहतरीन तरीके से पार किया है और रिलीज के 17वें दिन बंपर कलेक्शन करके दिखाया है।

इस तरह से दृश्यम 3 ने तीन नई और बड़ी फिल्मों की रिलीज के बीच बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए रखा और कमर्शियल तौर पर अपनी अनूठी छाप छोड़ी है। मालूम हो कि क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से दृश्यम 3 का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है, जिसकी वजह से ये मलयालम मूवी बंपर कमाई करती हुई नजर आ रही है।

सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मोहनलाल की दृश्यम 3 कमाल करती हुई नजर आ रही है। इसी वजह से ग्लोबली भी दृश्यम 3 अच्छी कमाई करने में सफल रही है। गौर किया जाए इस मलयालम फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के आंकड़े की तरफ तो अब तक दुनियाभर में मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर लगभग 230 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है।

दृश्यम 3 की बंपर कमाई जारी

बीते 21 मई को दृश्यम 3 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। पिछले दो हफ्तों में इतनी ज्यादा लेटेस्ट रिलीज नहीं आईं, जितनी इस बार दृश्यम 3 के सामने नया चैलेंज लाईं। राम चरण की पेड्डी, वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है और बॉबी देओल की बंदर जैसी फिल्में पिछले दो-तीन दिनों के दौरान बड़े पर्दे पर आई हैं। इन लेटेस्ट मूवीज रिलीज से दृश्यम 3 बिल्कुल नहीं घबराई है और बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी रही।

> सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार रिलीज के 17वें दिन मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1.30 करोड़ का कारोबार किया है और इसके साथ ही अब दृश्यम 3 का टोटल कलेक्शन 104 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है। इस तरह से सस्पेंस थ्रिलर दृश्यम 3 ने सफलता का स्वाद चख लिया है।

शेर की सवारी करते दिखे, चांद पर झंडा भी लगाया, वीडियो में ट्रम्प के कई अलग-अलग अवतार दिखाए गए हैं

ट्रम्प ने भारत में बाइक चलाने का एआई-वीडियो शेयर किया

चर्चा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक AI-जनरेटेड वीडियो शेयर किया। करीब एक मिनट के इस वीडियो में ट्रम्प कभी भारत की सड़कों पर बाइक चलाते दिखते हैं, तो कभी शेर की सवारी करते नजर आते हैं।

वीडियो में ट्रम्प के कई अलग-अलग अवतार दिखाए गए हैं। उन्हें रेगिस्तान में ऊंट पर बैठे, पैराग्लाइडिंग करते और स्पेससूट पहनकर चांद पर अमेरिकी झंडा लगाते हुए भी दिखाया गया है। इतना ही नहीं,

उनका चेहरा पिज्जा, बस, होर्डिंग, माउंट रशमोर और नॉर्दर्न लाइट्स पर भी नजर आता है। वीडियो के बैकग्राउंड में एक गाना चलता है, जिसके बोल ट्रम्प की तारीफ पर केंद्रित हैं। इसमें बार-बार कहा जाता है कि दुनिया भर के लोग ट्रम्प को पसंद करते हैं और उनका समर्थन करते हैं। ट्रम्प के वीडियो

ट्रम्प पहले भी शेयर कर चुके हैं एआई तस्वीरें

यह पहला मौका नहीं है जब ट्रम्प ने AI-जनरेटेड कंटेंट शेयर किया हो। हाल के महीनों में उन्होंने कई ऐसी पोस्ट की हैं, जिनमें खुद को अलग-अलग किरदारों और भूमिकाओं में दिखाया गया।

कुछ दिन पहले उन्होंने खुद को जेम्स बॉन्ड के अंदाज में 'ट्रम्प 007' कैप्शन के साथ दिखाया था। इससे पहले वह खुद को 'ग्रेटेस्ट अट्रैक्शन' बताते हुए भी तस्वीर शेयर कर चुके हैं।

शेयर करने के बाद कॉन्स्टैंटिनो ने कहा कि उनके लिए यह गर्व की बात है कि राष्ट्रपति ने उनके गाने को अपनी प्रोफाइल पर पोस्ट किया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ यूजर्स ने इसे मजेदार बताया, जबकि कई लोगों ने इसे ट्रम्प की आत्म-प्रचार वाली पोस्ट कहा।

एक यूजर ने लिखा कि वीडियो में ट्रम्प किसी कॉमिक बुक के सुपरहीरो जैसे लग रहे हैं। वहीं कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि राजनीतिक नेताओं के

वीडियो में भारत से लेकर चीन तक का जिक्र

वीडियो के गाने में दावा किया गया है कि मेक्सिको, मिडिल ईस्ट, चीन और भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में लोग ट्रम्प को पसंद करते हैं। महज एक मिनट लंबे वीडियो में 'ट्रम्प' शब्द 45 बार और 'डोनाल्ड' नाम 29 बार सुनाई देता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'एवरीबडी लव्स डोनाल्ड ट्रम्प' नाम का यह गाना ट्रुथ सोशल पर 'ac132' नाम के यूजर ने बनाया था। वीडियो के आखिर में इसका क्रेडिट एंथनी कॉन्स्टैंटिनो को दिया गया है, जो न्यूयॉर्क से ट्रम्प समर्थित रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं।

ट्रम्प ने अप्रैल में एक AI-जनरेटेड फोटो पोस्ट की थी, जिसमें उन्हें यीशु मसीह के रूप में दिखाया गया था।

AI कंटेंट और प्रचार के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। अप्रैल में ट्रम्प ने एक AI-जनरेटेड फोटो पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने खुद को जीसस के रूप में दिखाया गया था। उस पोस्ट को लेकर काफी विवाद हुआ था। बाद में पोस्ट हटा ली गई, लेकिन ट्रम्प ने माफी नहीं मांगी। उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लगा था कि तस्वीर में वह डॉक्टर की तरह दिख रहे हैं।

गौतम अडाणी एक महीने बाद फिर एशिया में सबसे अमीर

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एक महीने बाद फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई जोरदार तेजी के बाद उनकी नेटवर्थ बढ़कर 90 अरब डॉलर यानी करीब 8.55 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

इस उछाल के साथ उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और सॉफ्टबैंक के CEO मसायोशी सन को पीछे छोड़ दिया है। अडाणी अप्रैल तक एशिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन थे, लेकिन उनके शेयरों में गिरावट आने के कारण वह मई में पिछड़कर तीसरे नंबर पर आ गए थे।

अडाणी के बाद दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी (8.43 लाख करोड़) और तीसरे पर मसायोशी सन (87 अरब डॉलर) हैं। गौतम अडाणी इससे पहले अप्रैल-2026 में भी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने थे। हाल के

अमेरिकी कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद संपत्ति 10डॉलर बिलियन बढ़ी

दिनों में अडाणी ग्रुप के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली है। इस साल 2026 में अब तक अडाणी ग्रुप के अलग-अलग शेयरों में 23% से लेकर 56% तक की शानदार तेजी आ चुकी है। पिछले महीने अमेरिकी न्याय विभाग ने अडाणी ग्रुप के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज किए जाने के बाद से गौतम अडाणी की संपत्ति में 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 94.95 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।

फास्ट न्यूज

ईरान शांति वार्ता के बीच खुफिया रिपोर्ट से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। मिडल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इजरायली खुफिया एजेंसियां ईरान के साथ शांति समझौते के लिए प्रयासरत अमेरिकी वार्ताकारों पर जासूसी कर रही हैं। इस घटना ने अमेरिकी खुफिया अधिकारियों में इजरायल की जासूसी गतिविधियों को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

खाड़ी देशों को ईरान की संपत्ति सौंपने पर विचार कर रहे ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रशासन ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों से हुए नुकसान की भरपाई और पुनर्निर्माण के लिए ईरानी संपत्तियों को खाड़ी देशों की ओर मोड़ने का प्रयास कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने अमेरिका के खाड़ी सहयोगियों को हुए नुकसान की लागत का आकलन करने के लिए टीम को निर्देश दिया है। इसके साथ ही वाशिंगटन भविष्य में इस संघर्ष से होने वाले किसी भी विनाश की मरम्मत के लिए भी ईरानी संपत्तियों के उपयोग पर विचार कर रहा है।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र का कमाल

नई दिल्ली। ब्रिटेन में पढ़ रहे भारतीय छात्र को एक फैक्ट्री में काम करने वाली महिला के जीवन पर आधारित एक गेम के लिए बाफ्टा यंग गेम डिजाइनर्स अवार्ड के लिए शार्टलिस्ट किया गया है।

स्काटलैंड के ग्लासगो में स्ट्रैथक्लाइड यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर और इन्फार्मेशन साइंसेज डिपार्टमेंट के प्रथम वर्ष के छात्र डार्सी धांडा को उनके बनाए 'माया' गेम के लिए 15-18 साल की कैटेगरी में नामिनेट किया गया है।

भारत में घटती जन्म दर पर एलन मस्क ने जताई चिंता

बोले- रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि भारत में जन्म दर में गिरावट आई है और यह प्रतिस्थापन स्तर (रिप्लेसमेंट) से नीचे गिर गई है। प्रतिस्थापन वह स्तर है जिसके स्थिर रहने पर जनसंख्या न बढ़ती है और न घटती है। मस्क ने एकस पर पोस्ट किया, भारत की जन्म दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर गई है। अधिक पढ़े-लिखे लोगों में, भारत की जन्म दर कई साल पहले ही प्रतिस्थापन स्तर से नीचे चली गई थी।

मस्क ने मीडिया आउटलेट एएफ पोस्ट के आंकड़ों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत की प्रजनन दर देश के इतिहास में पहली बार प्रतिस्थापन से नीचे गिर गई है। केवल एक दशक में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.3 से घटकर 1.9 हो गई है। दिल्ली की प्रजनन दर 1.2 है, जो फिनलैंड से भी कम है। एएफ पोस्ट ने द इकोनामिस्ट के चार जून के एक लेख का हवाला दिया जिसका शीर्षक था 'भारत की जनसंख्या जल्द ही घटने लगेगी'।

डिलीवरी देने पहुंचा था तेलंगाना का अंशुल, परिवार का आरोप- साजिश रचकर गोली मारी

अमेरिका में फर्जी पिज्जा-ऑर्डर के बहाने भारतीय युवक की हत्या

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में तेलंगाना के 28 वर्षीय अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिवार का आरोप है कि अंशुल को फर्जी पिज्जा ऑर्डर देकर सुनसान जगह बुलाया गया और वहां घात लगाकर हमला किया गया।

अंशुल कुंचा एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करते थे। एक्सट्रा इनकम के लिए वे वीकेंड में पिज्जा डिलीवरी का पार्ट-टाइम काम भी करते थे। शनिवार रात उन्हें एक ऑर्डर मिला, जिसके तहत उन्हें फिलाडेल्फिया के एक सुनसान इलाके में पिज्जा पहुंचाना था। परिवार के मुताबिक, वहां पहुंचते ही एक अज्ञात हमलावर ने अंशुल के

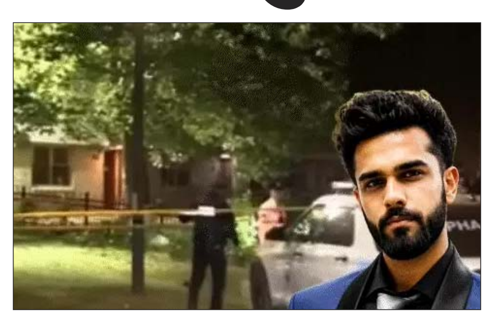

मूलरूप से भारत के तेलंगाना के रहने वाले अंशुल कुंचा (28) की अमेरिका के फिलाडेल्फिया में शनिवार रात एक सुनसान इलाके में गोली मार कर हत्या कर दी गई। एक्सट्रा इनकम के लिए वे वीकेंड में पिज्जा डिलीवरी का पार्ट-टाइम काम भी करते थे।

सिर में कई गोलियां मार दीं और मौके से फरार हो गया।

फिलाडेल्फिया हाउसिंग अथॉरिटी के निगरानी कैमरों में घटना से पहले का कुछ फुटेज रिकॉर्ड हुआ है।

मौके से तीन खाली कारतूस बरामद हुए

फिलाडेल्फिया पुलिस के चीफ इंस्पेक्टर स्कॉट स्मॉल ने बताया कि घटनास्थल से तीन खाली कारतूस बरामद हुए हैं। उनके मुताबिक, कारतूसों की स्थिति से संकेत मिलता है कि हमलावर पीड़ित के बेहद करीब खड़े थे। अंशुल की कार भी घटनास्थल के पास मिली, जिसमें पिज्जा वार्मर रखा हुआ था। पुलिस के अनुसार, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अंशुल की बहन बोलीं- डिलीवरी ऑर्डर एक जाल था

अंशुल की बहन तन्वी कुंचा ने आरोप लगाया कि यह डिलीवरी ऑर्डर महज एक जाल था। उन्होंने कहा कि वहां कोई ग्राहक मौजूद नहीं था और अंशुल को सिर्फ निशाना बनाने के लिए बुलाया गया था।

परिवार का कहना है कि हमलावर अंशुल का कोई सामान भी नहीं ले गए। ऐसे में हत्या के पीछे की वजह अब भी साफ नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना के समय इलाके में बैग लिए दो नकाबपोश लोगों को देखा गया था।

परिवार ने भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों से अंशुल का शव जल्द भारत भेजने की अपील की है ताकि अंतिम संस्कार में देरी न हो। तन्वी ने कहा कि अधिकारियों ने शव सोमवार को सौंपे जाने की जानकारी दी है, लेकिन परिवार चाहता है कि प्रक्रिया जल्द पूरी हो। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों और अंशुल के परिवार के संपर्क में है तथा हर संभव मदद उपलब्ध करा रहा है। परिवार ने बताया कि अंशुल पहले भी अमेरिका में लूटपाट की घटना का शिकार हो चुके थे। उस दौरान उनकी चेन, मोबाइल फोन और नकदी छीन ली गई थी, लेकिन तब उन पर जानलेवा हमला नहीं हुआ था। परिवार के अनुसार, उन्होंने हैदराबाद से बीटेक करने के बाद अमेरिका जाकर मास्टर्स की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें KWC कंपनी में नौकरी मिल गई थी।

कहा- उसकी वजह से इलाके की सुरक्षा खतरे में, अब जो हालात बनेंगे, उसके लिए यूएस जिम्मेदार

ईरान का आरोप : अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। ईरानी फॉरेन मिनिस्ट्री का कहना है कि अमेरिका तनाव कम करने के बजाय अपनी सैन्य कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका ने सीरिक क्षेत्र और केश्म द्वीप पर ईरान के तटीय रडार और निगरानी केंद्रों पर हमला किया, जो सीजफायर का साफ उल्लंघन है।

ईरान ने कहा कि इन हमलों के बाद जो भी हालात पैदा होंगे और उसके जो भी नतीजे होंगे, उनकी पूरी जिम्मेदारी अमेरिका की होगी।

2 मार्च से जारी इजराइली हमलों में अब तक 3,593 लोगों की मौत और 10,990 लोग घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटे में 35 लोगों की जान गई और 120 घायल हुए।

शनिवार को इजराइली हमलों में लेबनानी सेना के एक ब्रिगेडियर जनरल समेत 10 लोगों की मौत हुई। हमलों के बाद कई इलाकों में लोगों को घर खाली करने के आदेश दिए गए।

अमेरिका ने होर्मुज की ओर बढ़ रहे 4 ईरानी ड्रोन मार गिराने और केश्म आइलैंड की रडार साइट्स पर हमला करने का दावा किया। जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिन्हें इंटरसेप्ट करने का दावा किया गया।

तेहरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीरिक और केश्म द्वीप पर तटीय रडार ठिकानों पर हमला कर युद्धविराम का उल्लंघन किया।

इजराइल में फायरिंग, 1 की मौत 4 घायल

इजराइली पुलिस के मुताबिक, पेट्रोल स्टेशन पर हुए फायरिंग अटैक में एक इजराइली शख्स की मौत हो गई।

हमले में 4 लोग घायल हुए हैं। मेडिकल अधिकारियों के अनुसार, इनमें एक की हालत गंभीर है।

पुलिस ने कहा कि हमले में शामिल एक हथियारबंद संदिग्ध को न्यूट्रलाइज कर दिया गया है, जबकि अन्य संभावित हमलावरों की तलाश जारी है।

इजराइल में हुई गोलीबारी पर हमास ने बयान जारी किया

इजराइल में हुई गोलीबारी की घटना पर हमास ने बयान जारी किया है। संगठन ने कहा कि यह घटना गाजा और पश्चिमी तट में चल रही इजराइली सैन्य कार्रवाई और बढ़ते तनाव से जुड़ी है। हमास का कहना है कि गाजा, पश्चिमी तट और यरुशलम में लगातार हो रही सैन्य कार्रवाई और छापेमारी की वजह से हालात और खराब हुए हैं। संगठन ने यह भी कहा कि वह अपने रुख पर कायम रहेगा और फिलिस्तीनियों के अधिकारों की मांग जारी रखेगा।

साथ ही, हमास ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह क्षेत्र में हिंसा कम करने और आम लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए।

> **अमेरिका-ईरान सीजफायर पर बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान के विशेष मध्यस्थ और गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने तेहरान में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की। नकवी ने कहा कि वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनीर का संदेश ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई तक पहुंचाने के लिए ईरान आए हैं।**

श्रीराम कृष्णन ने किया एआई पॉलिसी एडवाइजर का पद छोड़ने का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन में सबसे चर्चित भारतीय-अमेरिकी टेक्नोलॉजी सलाहकार श्रीराम कृष्णन इस महीने के आखिर में व्हाइट हाउस में अपना पद छोड़ देंगे। उन्होंने पिछले 18 महीनों में प्रशासन की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रणनीति को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कृष्णन ने कहा कि अमेरिका के सामने एआई से जुड़ी बड़ी चुनौतियों पर काम करने के लिए लौटने से पहले वे कुछ समय का ब्रेक लेंगे। उन्होंने लिखा कि मैं इस महीने के आखिर में व्हाइट हाउस में अपना पद छोड़ दूंगा।

कृष्णन ने अपनी सरकारी सेवा को जीवन भर का सौभाग्य बताया और कहा कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में काम करना सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा, उनकी लीडरशिप के बिना, हम एआई की दौड़ में इतने आगे नहीं होते। उन्होंने व्हाइट हाउस

के एआई और क्रिप्टो सलाहकार डेविड सैक्स का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि एआई के क्षेत्र में अमेरिका की जीत के लिए उनकी लगातार वकालत बहुत अहम रही है और आगे भी रहेगी। कृष्णन ने उन कई पहलों का भी जिक्र किया जिन्हें विकसित करने में उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मदद की। इनमें प्रशासन के अमेरिकन एआई एक्शन प्लान का खाका तैयार करना और उसे जारी करना, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एआई एक्सेलेरेशन साझेदारियों को आगे बढ़ाना, और नेशनल एआई पॉलिसी फ्रेमवर्क से जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में योगदान देना शामिल है।

नियम : कंपनियों को वॉल्यूम के साथ वजन लिखना भी जरूरी, 3 महीने में लागू होंगे नए नियम

खाने का तेल अब 9 स्टैंडर्ड पैक-साइज में ही मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स ने शनिवार को लीगल मेट्रोलॉजी फ्रेमवर्क के तहत खाने वाले तेल के लिए स्टैंडर्ड पैक साइज अनिवार्य कर दिए हैं। सरकार के इस कदम का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को अलग-अलग ब्रांड्स के बीच कीमतों की तुलना करने और सही फैसला लेने में मदद करना है।

बाजार में कम कीमत वाले छोटे पैकेट्स की उपलब्धता लगातार बनी रहे, इसके लिए सरकार ने कुछ छूट भी दी है। 200 मिलीलीटर या 200 ग्राम से कम साइज वाले पैकेट्स को इस स्टैंडर्ड पैक साइज के नियम से बाहर रखा गया है। इसके अलावा जो माइनर एडिबल ऑयल्स (कम इस्तेमाल होने वाले तेल) हैं, उन्हें भी इस दायरे से छूट दी गई है। जो कंपनियां डेडलाइन से पहले इसे अपनाना चाहती हैं, वे तुरंत इसकी शुरुआत कर सकती हैं।

9 तय साइज में ही बिकेगा कुकिंग ऑयल

नई SoP के तहत अब देश में प्रमुख कुकिंग ऑयल सिर्फ 9 तय स्टैंडर्ड पैक साइज में ही बेचे जा सकेंगे। ये नए नियम पाम ऑयल, सोयाबीन, सनफ्लावर, सरसों, मूंगफली, तिल, राइस ब्रान, कॉटनसीड, कॉर्न ऑयल और सभी तरह के ब्लेंडेड एडिबल ऑयल्स (मिश्रित तेल) पर लागू होंगे।

> **विभाग ने नेट क्वांटिटी और स्टैंडर्ड पैक साइज तय करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में बदलाव किया है। तेल कंपनियों और इंपोर्टर्स को इन नए नियमों को अपनाने के लिए 3 महीने का समय दिया गया है।**

वॉल्यूम के साथ वजन लिखना भी जरूरी

नए नियमों के मुताबिक, अगर खाने वाले तेल के पैकेट पर उसकी मात्रा वॉल्यूम यानी लीटर या मिलीलीटर में दिखाई गई है, तो उस पर लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) रूल्स, 2011 के तहत उसके बराबर का वजन (ग्राम या किलोग्राम) भी साफ-साफ लिखना होगा। यह नियम देश में बनने वाले (डोमेस्टिक) और विदेशों से आयात होने वाले (इंपोर्टेड) दोनों तरह के खाद्य तेलों यानी खाने के तेल पर समान रूप से लागू होगा।

इजरायल में आतंकियों की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

इजरायली एम्बुलेंस सर्विस ने बताया कि रविवार को मध्य इजरायल में कब्जे वाले वेस्ट बैंक के पास संदिग्ध आतंकी गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए।

इजरायली पुलिस ने कहा कि हमले में शामिल संदिग्ध शूटर को ₹मार गिराया गया₹ (न्यूट्रलाइज कर दिया गया), लेकिन इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस ने तुरंत संदिग्ध शूटर की पहचान नहीं बताई। इजरायल की एम्बुलेंस सर्विस ने बताया कि गोली लगने से 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए, जिनमें दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। गोलीबारी तीन अलग-अलग इलाकों में हुई सेंट्रल इजरायल, जो फलस्तीनी वेस्ट बैंक शहर कल्किलिया के पास है। फलस्तीनी मिलिटेंट ग्रुप हमास ने गोलीबारी की तारीफ की, लेकिन हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सिक्योरिटी का असेसमेंट किया है और खतरनाक गोलीबारी हमले पर नजर रख रहे हैं।

- मध्य इजरायल में आतंकी गोलीबारी में एक की मौत।
- हमले में पांच लोग घायल, दो की हालत गंभीर।
- इजरायली पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को मार गिराया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96